29 अक्टूबर 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

बक्सर विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन तैयारियों की कड़ी निगरानी

2

छठ पूजा में बिहार गए लोग बदलेंगे चुनावी बयार

- दो से तीन करोड़ लोग रोजगार, शिक्षा व अन्य कारणों से राज्य के बाहर रहते

एजेंसी । पटना

बिहार के दो से तीन करोड़ लोग रोजगार, शिक्षा, बेहतर रहन-सहन की सुविधाओं या अन्य कारणों से राज्य के बाहर रहते हैं। इनमें से ज्यादातर लोग ऐसे हैं जो रोजगार के साधनों के अभाव में अपनी जमीन छोड़ने को मजबूर हुए थे। लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव और छठ महापर्व के कारण इनमें से एक बड़ा हिस्सा इस समय वापस बिहार पहुंचा है। दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र में रहने वाला यह प्रवासी वर्ग भाजपा शासित राज्यों के विकास को देख रहा है और किसी न किसी रूप में उसका लाभ भी ले रहा है। यदि ये प्रवासी अपने घरों को पहुंचकर भाजपा शासित राज्यों के बेहतर विकास की बात करते हैं तो ये भाजपा और एनडीए के लिए साइलेंट प्रवक्ता की तरह काम कर सकते हैं। एनडीए खेमे को इसका लाभ मिल सकता है। सामान्य अवधारणा है कि गरीबी के कारण लोग पलायन करने को मजबूर होते हैं। लेकिन बिहार में इसकी एक अलग ही कहानी दिखती है। यहां सबसे ज्याद पलायन समाज के तथाकथित उच्च जातियों यानी ब्राह्मण, ठाकर और भूमिहारों के बीच देखा जाता है। उच्च जातियों में पलायन की दर सबसे अधिक 10 प्रतिशत के करीब है। जबकि इनकी तुलना में ओबीसी जातियों के बीच पलायन 5.39 प्रतिशत और ईबीसी जातियों में केवल 3.9 प्रतिशत है। माना जाता है कि तथाकथित जंगलराज के दौरान हुई जातीय हिंसा के कारण उच्च जाति के लोगों ने अपनी जान-माल की रक्षा के लिए सबसे ज्यादा पलायन किया। बेहतर शिक्षा और दूसरे शहरों में अच्छे रहन-सहन की संभावनाओं को देखते हुए आज भी यही वर्ग सबसे ज्यादा पलायन कर रहा है। बिहार के बारे में माना जाता है कि यहां मतदान पर जातिगत समीकरणों का अच्छा खासा असर रहता है।

बदल रही स्थिति

केंद्र में मोदी और बिहार में नीतीश कुमार की सरकार ने राज्य का तेजी से आर्थिक विकास किया है। लगभग पूरे राज्य में अच्छी सड़कें बन रही हैं, अस्पतालों की उपलब्धता बेहतर हुई है और बच्चों को पढ़ाने के लिए स्कूलों की उपलब्धता बढ़ी है। इससे अब लोगों को पलायन धीरे-धीरे कम हो रहा है। बेहतर जीवन की आशा में बाहर गए प्रवासी अपने घरों की ओर वापस लौटना चाहते हैं। यदि वर्तमान सरकार उनके पक्ष में बेहतर माहौल देने का आश्वासन दे पाती है तो भी इस वर्ग का समर्थन सरकार को मिल सकता है। विपक्ष पर लगे जंगलराज के आरोपों के कारण वह इस तरह का भरोसा प्रवासियों को दिला पाएगा, यह कहना कठिन है।

छठ पर शानदार सुविधाओं ने बनाया माहौल

छठ महापर्व पर दिल्ली की भाजपा सरकार ने यमुना के किनारे अच्छी साफ-सफाई और बेहतरीन सुविधा देकर पूर्वांचली लोगों का दिल जीत लिया है। बिहार के प्रवासी लोग यह स्वीकार कर रहे हैं कि छठ पर इतनी साफ-सफाई और सुरक्षा उन्हें पटना, बक्सर और बेगूसराय तक में भी कभी नहीं मिली। अब ये प्रवासी फोन कॉल पर अपने नाते-रिश्तेदारों से इसकी चर्चा करेंगे। इससे बिहार का आम मतदाता भाजपा शासित राज्यों के विकास कार्यों से प्रभावित होगा। विपक्ष पहले ही यह आरोप लगा रहा है कि दिल्ली में छठ पर इतनी सुविधाएं केवल इसलिए दी जा रही है क्योंकि दिल्ली से बिहार चुनाव को साधने की कोशिश की जा रही है।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी आठवें वेतन आयोग को कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी गई है। इससे 50 लाख कर्मचारियों और करीब 69 लाख पेंशनभोगियों को सीधा फायदा होगा। केंद्र की मोदी सरकार ने आठवें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी है। इससे करीब 50 लाख कर्मचारियों और पेंशनर्स को फायदा मिलेगा। यह कमिशन 18 महीने में अपनी रिकमेंडेशन सरकार को देगा। इससे सैलरी स्ट्रक्चर और एलाउंस में बदलाव की उम्मीद है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वेतन आयोग की नियम एवं शर्तों को मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि आयोग की सिफारिश से 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को फायदा मिलेगा। इससे डिफेंस सर्विस और करीब 69 लाख पेंशनभोगियों को भी फायदा होगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आठवें वेतन आयोग के अधिकार और कार्यों की रूपरेखा तय की है। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज रंजना प्रकाश देसाई को चेयरमैन नियुक्त किया है। आठवां वेतन आयोग संभवत 18 माह में अपनी सिफारिशें देगा। इसके सदस्य आईआईएम बैंगलुरु के प्रोफेसर पुलक घोष और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के सचिव पंकज जैन बनाये गये हैं। बता दें कि हर 10 साल पर भारत में पे कमीशन की परंपरा रही है। सांतवा वेतन आयोग फरवरी 2014 में गठित हुआ था और 1 जनवरी 2016 से लागू हुआ

सरकारी नौकरी, मुफ्त बिजली, महिलाओं को 2500 रुपए

विधानसभा चुनाव : महागठबंधन ने जारी किया घोषणापत्र, किए कई वादे

एजेंसी । पटना

राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन ने मंगलवार को तेजस्वी प्राण शीर्षक से अपना घोषणापत्र जारी किया। इसमें सरकार बनने के 20 दिनों के भीतर राज्य के हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का कानून पारित करने का वादा किया गया है। महागठबंधन (इंडिया महागबंधन) ने अपनी साझा घोषणा पत्र जारी कर दी है। इसे तेजस्वी का प्रण नाम दिया गया है। घोषणापत्र के अनुसार, माई-बहन मान योजना के तहत, महिलाओं को 1 दिसंबर से अगले पांच वर्षों तक 2,500 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता मिलेगी। विपक्षी गठबंधन ने पुरानी पेंशन योजना लागू करने का वादा किया। कांग्रेस के एजेंडे में रहा है क्योंकि हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार ने सत्ता संभालने के तुरंत बाद ओपीएस को बहाल कर दिया था। कांग्रेस ने इसे हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए अपने घोषणापत्र में भी शामिल किया था। रोजगार के लिए बजट कहां से लाएंगे। इस सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि हमलोग झूठे वादे नहीं करेंगे। एक-एक बातों पर एक्सपर्ट से चर्चा की गई है। काफी मंथन के बाद हमलोगों ने यह घोषणा पत्र लाया है। 2020 में भी लोग बोलते थे कि कहां से पैसा लाएगा। लेकिन, हमलोगों ने कर के दिखा दिया। 17 महीने में अपने वादे पूरे किए। अब फिर से कह रहे हैं एक एक परिवार को नौकरी देंगे। आपलोग बजट की चिंता मत कीजिए। तेजस्वी यादव ने कहा कि 14 नवंबर को आने वाली सरकार, आप सभी के लिए बिहार में ही रोजी-रोजगार का प्रबंध करेगी। बिहार का कोई भी बेटी-बेटा मजबूरी में अपने पिता अपनी माता को छोड़ कर बाहर जाने को विवश ना हो यही प्रार्थना और संकल्प करते हैं।

घोषणा पत्र

महागठबंधन की सरकार बनते ही 20 दिनों के अंदर हर परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का अधिनियम लाया जाएगा। सभी जीविका सीएम (कम्युनिटी मोबिलाइजर) को स्थायी कर राज्यकर्मी का दर्ज दिया जाएगा।सभी संविदा कर्मियों और आउटसोर्सिंग पर कार्यत कर्मचारियों को स्थाई किया जाएगा।आईटी पार्क, स्पेशल इकोनामिक जोन, डेयरी बेस्ड इंडस्ट्री, कृषि उद्योग, पर्यटन के क्षेत्र समेत अन्य क्षेत्रों में कौशल आधारित रोजगार का सृजन किया जाएगा। पुरानी पेंशन स्कीम को लागू किया जाएगा। माई बहिन मान योजना के तहत एक दिसंबर से 2500 रुपया दिया जाएगा। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के अंतर्गत बुजुर्गों और विधवाओं को 1500 की मासिक पेंशन दी जाएगी जिसमें हर साल 200 की वृद्धि की जाएगी और दिव्यांग जनों को 3000 की मासिक पेंशन दी जाएगी।हर परिवार को 200 यूनिट बिजली मुक्त दी जाएगी। माइक्रोफाइनेंस कंपनी द्वारा किस्त वसूली के दौरान प्रताड़ना को रोकने के लिए और मनमाने ब्याज दर पर नियंत्रण के लिए नियामक कानून लाया जायेगा। प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए फॉर्म एवं परीक्षा शुल्क समाप्त कर दिया जाएगा और परीक्षा केंद्र तक आने जाने के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी।

भारत में बनेगा राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा केंद्र

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत विमान दुर्घटना जांचकताओं और विमानन पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के लिए एक राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा केंद्र करने जा रहा है। सरकार ने देश में राष्ट्रीय विमानन सुरक्षा केंद्र स्थापित करने की घोषणा की है। इस केंद्र में वैमानिक पेशेवरों और विमान दुर्घटना जांचकताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह केंद्र वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं पर आधारित होगा और अपने तरह का पहला संस्थान होगा। नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने मंगलवार को बताया कि देश में नियामक और जांच भूमिकाओं में काम करने वाले पेशेवरों की संख्या दोगुनी की जा रही है। यह पहल विश्वस्तरीय सुरक्षा ढांचा और मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में एक दीर्घकालिक दृष्टि है। विमान सुरक्षा सभी की साझा जिम्मेदारी है। सिन्हा दिल्ली में शुरू हुई 13वीं एशिया-पैसिफिक एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ग्रुप बैठक के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। भारत पहली बार इस बैठक की मेजबानी कर रहा है, जिसमें विमान हादसों के करीब 90 जांच विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। एएआईबी के महानिदेशक जीवीजी युगंधर ने

औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदला

दिल्ली पुलिस ने एक संदिग्ध जासूस को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बड़े जासूसी नेटवर्क का खुलासा किया है। स्पेशल सेल ने जासूसी के आरोप में आदिल नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि वह नकली पासपोर्ट बनाने के रैकेट से भी जुड़ा हुआ था। पुलिस ने आरोपी के पास से नकली पासपोर्ट बरामद किए हैं। कोर्ट ने आदिल की 7 दिन की पुलिस रिमांड की मंजूरी दे दी है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सीलमपुर इलाके से संदिग्ध जासूस को हिरासत में लिया था। आरोपी आदिल झारखंड के टाटानगर का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, आदिल हुसैनी पर विदेशी एजेंसियों को संवेदनशील जानकारी देने और फर्जी दस्तावेजों के जरिए कई भारतीय पासपोर्ट बनवाने का आरोप है। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि कि वह अपने भाई अख्तर हुसैनी के साथ मिलकर विदेशी देशों को गोपनीय सूचनाएं भेजने में शामिल था। पुलिस ने आरोपी के पास से एक असली पासपोर्ट और दो फर्जी पासपोर्ट की कॉपियां बरामद की हैं। गिरफ्तारी के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल

रेलवे स्टेशनों पर बनाया गया है वॉर रूम व मेडिकल बूथ

छठ के बाद लौटने वालों के लिए राहत, रेलवे ने चलाईं कई स्पेशल ट्रेनें

एजेंसी । नई दिल्ली

छठ महापर्व का आज आखिरी दिन था। चार दिन का ये महापर्व 25 अक्तूबर को नहाय खाय से शुरू हुआ था। मंगलवार को उगते सूरज को 'ऊषा अर्घ्य' के साथ खत्म हो गया। इसी के साथ छठ मना चुके लोगों का अपने गंतव्य लौटना शुरू हो गया है। रेलवे ने ऐसे यात्रियों के लिए स्पेशल ट्रेनें शुरू की है। ये ट्रेनें 29 अक्तूबर यानी बुधवार को चलेंगी और अगले दिन गंतव्य को पहुंचेंगी। भारतीय रेलवे ने अपील की है कि सुविधाजनक सफर के लिए लोग इन ट्रेनों से यात्रा करें। इनका शेड्यूल जारी कर दिया गया है। रेलवे ने बिहार और उत्तर प्रदेश के कई प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्पेशल ट्रेनों को शुरू करने के साथ ही ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी जोड़े है। इसके अलावा, स्टेशनों पर अतिरिक्त स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन, टिकट काउंटर और मोबाइल टिकटिंग सुविधाएं शुरू की गई है, ताकि टिकट खरीदना आसान हो। यात्रियों की सुरक्षा और सहायता के लिए रेलवे ने रेलवे सुरक्षा बल की तैनाती बढ़ा दी है। स्टेशनों पर यात्री सहायता बूथ, लाइन मैनेजमेंट और अनाउंस सिस्टम को और मजबूत किया गया है। रेलवे ने वॉर रूम बनाए हैं, जो यात्रियों की समस्याओं का तुरंत समाधान कर रहे हैं।बिहार के पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, गया और सहरसा स्टेशनों पर मेडिकल बूथ स्थापित किए गए हैं। इन स्टेशनों पर फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस सेवाएं भी तैयार रखी गई हैं, ताकि किसी आपात स्थिति में तुरंत मदद मिल सके। ये इंतजाम यात्रियों को आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का अनुभव दे रहे हैं। ट्रेन नंबर 05651 न्यू जलपाईगुड़ी-छपरा अनारक्षित पूजा विशेष गाड़ी 29 अक्तूबर, 2025 को न्यू जलपाईगुड़ी से 15.00 बजे प्रस्थान कर किशनगंज से 16.10 बजे, कटिहार से 18.45 बजे, काढ़ागोला रोड से 19.10 बजे, नौगछिया से 19.35 बजे, मानसी से 20.24 बजे, खगड़िया से 20.36 बजे, बेगूसराय से 21.12 बजे, बरौनी से 22.02 बजे, मोहीउद्दीन नगर से 22.40, शाहपुर पटोरी से 22.54 बजे, मेहनार रोड से 23.05 बजे, देसरी से 23.17 बजे, अक्षयवट राय नगर से 23.27 बजे, हाजीपुर से 23.40 बजे तथा सोनपुर से 23.50 बजे छूटकर दूसरे दिन छपरा 01.15 बजे पहुंचेगी।

डुमरांव की साक्षी ने जुड़ो की सीनियर स्टेट चैंपियनशीप में जीता गोल्ड, बढ़ाया मान

सामान्य प्रेक्षक एन. के. गुंडे (आईएएस) ने दिए सख्त निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव की मिट्टी में प्रतिभा की कभी कमी नहीं रही, लेकिन इस बार इस धरती की एक बेटी ने ऐसा कमाल कर दिखाया है कि पूरा बक्सर गर्व से सिर ऊंचा कर रहा है। जूडो खिलाड़ी साक्षी ने बिहार स्टेट सीनियर जूडो चैंपियनशिप में लगातार चौथी बार गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। मोतिहारी में आयोजित 70 किलोग्राम भारवर्ग के सीनिकयार जुड़ो प्रतियोगिता में जिस आत्मविश्वास और दमखम के साथ उन्होंने अपने प्रतिर्द्वंद्वियों को मात दी, उसने साबित कर दिया कि सपना अगर मजबूत हो तो दीवारें भी रास्ता बना देती हैं। मंगलवार की दोपहर जब साक्षी घर पहुंचीं, तो माहौल किसी विजेता की वापसी जैसा था। पिता संतोष कुमार, जो एक छोटे से व्यवसाय से परिवार चलाते हैं, और माता रेखा प्रसाद, जो ब्यूटी पार्लर चलाती हैं, दोनों ने मिठाई खिलाकर बेटी की जीत का जश्न मनाया। उनके चेहरे पर खुशी ही नहीं, बल्कि उस संघर्ष की चमक भी दिख रही थी जो उन्होंने अपनी बेटी के सपनों को उड़ान देने में झेला है।

घर से मिली ताकत, मैदान में मिला आत्मविश्वास

साक्षी मुस्कुराते हुए बताई कि हर जीत के पीछे मेरे परिवार का विश्वास है। अगर उन्होंने मुझे रोक लिया होता, तो शायद मैं भी सपनों को अलमारी में बंद कर देती। 2021 से अब तक उनका मेडल कलेक्शन ही उनकी मेहनत की कहानी बयां करता है, अनगिनत गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल। लेकिन इन तमाम उपलब्धियों के बावजूद साक्षी की सबसे बड़ी ताकत उनका संतुलन है। दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज से बीकॉम करने के बाद अब वे जालंधर से बीपीएड की प्रशिक्षण ले रही हैं। वहीं, उनका भाई आनंद राज, जो दिल्ली में ही ग्रेजुएशन कर रहा है, बहन को अपना रोल मॉडल मानता है।

नेशनल ओलंपियाड की चुनौती कृ लक्ष्य अब देश का शीर्ष ताज

अब साक्षी की नजरें नेशनल ओलंपियाड पर टिकी हैं, जो 11 से 14 दिसंबर तक मणिपुर में आयोजित होगा। यह सिर्फ एक टूनार्मेंट नहीं, बल्कि उनके सपने का एक बड़ा पड़ाव है। साक्षी कहती हैं कि मैं वहां सिर्फ अपने लिए नहीं, डुमरांव की हर उस लड़की के लिए उतरूंगी, जो सपने देखने की हिम्मत

साक्षी की कहानी कृ हर उस बेटी की आवाज, जो उड़ना चाहती है

हमारे समाज में आज भी कई लड़कियों का सपना घर की चौखट पर ही दम तोड़ देता है, लेकिन साक्षी ने यह मिथक तोड़ दिया। सीमित साधन, रूढ़िवादी सोच और परंपराओं की दीवारें, इन सबके बावजूद उन्होंने अपनी पहचान खुद बनाई है। डुमरांव की यह जूडो गर्ल आज उन परिवारों के लिए प्रेरणा है जो अपनी बेटियों के सपनों को पंख देना चाहते हैं। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि छोटे कस्बों की बेटियां अगर ठान लें, तो दुनिया की कोई ताकत उन्हें रोक नहीं सकती।

एनडीए सरकार के विकास कार्यों के आधार पर मांग रहा हूं जनता से आशीर्वाद : राहुल

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा क्षेत्र में इस बार चुनावी हवा कुछ अलग दिशा में बहती दिख रही है। मंगलवार को एनडीए प्रत्याशी राहुल कुमार सिंह जब प्रखंड क्षेत्र के पुराना भोजपुर समेत कई गांवों की गलियों से गुजर रहे थे, तो न सिर्फ स्वागत की गरमाहट दिखी, बल्कि बातचीत के मुद्दों में भी बदला हुआ सुर सुनाई दिया। अब सिर्फ जातीय समीकरणों की चर्चा नहीं बल्कि लोग खुलकर विकास की बात कर रहे हैं। जनसंपर्क के दौरान राहुल कुमार सिंह ने ग्रामीणों से सीधे जुड़ते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में डुमरांव का विकास और तेज रफ्तार पकड़ेगा। उन्होंने कहा कि आने वाला चुनाव सिर्फ उम्मीदवारों का नहीं, डुमरांव की दिशा तय करेगा। जनता पुरानी राजनीति से आगे बढ़कर बदलाव और विकास को चुनने के लिए तैयार है। उन्होंने गांव-गांव में लोगों के साथ संवाद करते हुए सरकार की उपलब्धियों को न सिर्फ गिनाया बल्कि यह भी बताया कि योजनाओं का असर अब जमीन पर दिखाई देने लगा है। उनके मुताबिक गरीबों को घर, युवाओं को रोजगार से जोड़ने की कोशिशें और किसानों के लिए कल्याणकारी योजनाएं, इन सबने लोगों की जिंदगी में वास्तविक परिवर्तन लाया है। राहुल ने इस दौरान मुफ्त बिजली योजना, पेंशन में बढ़ोतरी, जीविका समूहों को आर्थिक मजबूती जैसे कदमों की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार ने जो कहा, वो किया है, और आगे जो वादा होगा, वो उससे भी आगे होगा। जनसभा नहीं, बल्कि घर-घर दस्तक देते इस अभियान में वह यह संदेश भी देते नजर आए कि राजनीति अब जाति के खांचे से बाहर निकलनी चाहिए। डुमरांव में एनडीए के इस आत्मविश्वास भरे अभियान ने साफ कर दिया है कि मुकाबला सिर्फ सीट का नहीं, भरोसे का है। राहुल कुमार सिंह के अनुसार यह चुनाव विश्वास की जीत और विकास की गारंटी का चुनाव है। बता दें कि डुमरांव की फिजाओं में चुनावी रंग अब पूरी तरह चढ़ चुका है और जनता के फैसले में बस अब कुछ ही रोज का फासला शेष बचा है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः– सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

छठ से पहले मनहथा में सुरक्षा पर सवाल, घाट बनाने गया किशोर लापता

केटी न्यूज/नावानगर

लोक आस्था के महापर्व छठ की तैयारियों के बीच नावानगर प्रखंड के मनहथा गांव में सोमवार की दोपहर एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। घटना ने न केवल एक परिवार की खुशियां छीन लीं, बल्कि घाटों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, स्थानीय निवासी परशुराम सिंह का 11 वर्षीय पुत्र छठ के लिए ठोरा नदी किनारे घाट बनाने गया था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह तेज बहाव में बहकर लापता हो गया। हादसे के समय आसपास मौजूद लोगों ने बचाने की पूरी कोशिश की, मगर तेज धारा के आगे सब प्रयास नाकाम हो गए। घटना की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। परिजन दहाड़े मारकर रोते हुए प्रशासन से अपने मासूम की सुरक्षित वापसी की गुहार लगा रहे हैं। थानाध्यक्ष कुसुम कुमार केशरी ने बताया कि लापता किशोर की खोज के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है और लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। छठ से पूर्व इस घटना ने क्षेत्र की श्रद्धा में दुख और चिंता घोल दी है। ग्रामीणों का कहना है कि घाट निर्माण के दौरान सुरक्षा उपायों के अभाव में हर साल खतरा बना रहता है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और लोगों को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था का आश्वासन दिया।

सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से जख्मी हुई महिला, इलाज के दौरान मौत

- **नया भोजपुर थाना के समीप एनएच 922 की है घटना, तीन बच्चों की मां थी मृतका, बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल**

केटी न्यूज/डुमरांव

सड़क दुर्घटना में एक महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। जिसे स्थानीय स्तर पर प्राथमिक इलाज के बेहतर इलाज के लिए स्वजन पटना ले गए थे, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना सोमवार की सुबह नया भोजपुर थाना से करीब 100 मीटर दूर एनएच 922 की है। मृतका की पहचान नया भोजपुर डेरा निवासी बृजराज सिंह यादव की पत्नी सुमांती देवी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार वह सोमवार की सुबह करीब छह बजे अपने खेत से घर लौट रही थी, फोरलेन क्रास करने के दौरान अज्ञात वाहन के चपेट में आ गंभीर रूप से जख्मी हो गई। इसकी जानकारी मिलते ही स्वजनों ने पहले स्थानीय स्तर पर उसका प्राथमिक इलाज कराया। डॉक्टरों ने उसकी बिगड़ती स्थिति को देख उसे रेफर कर दिया। स्वजन बेहतर इलाज के लिए उसे पटना ले गए, जहां इलाज के दौरान ही उसने दम तोड़ दिया। ग्रामीणों ने बताया कि मृतका की दो पुत्री व एक पुत्र था। मां की मौत के बाद से ही बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। वहीं, अन्य स्वजन भी बदहवास थे। नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन का पता लगाया जा रहा है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

तीन हजार प्राथमिक विद्यालयों का मर्जर गरीबों को शिक्षा से दूर करने की साज़िश!

डुमरांव केटी। न्यूज

बिहार में शिक्षा व्यवस्था को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। राज्य सरकार ने हाल ही में करीब तीन हजार प्राथमिक विद्यालयों को दूसरे स्कूलों में मर्ज कर दिया है। यह निर्णय बिना जमीनी हालात को समझे लिया गया है, जिसके कारण गरीब परिवारों के बच्चों की शिक्षा खतरे में पड़ गई है। जिस गांव में पहले स्कूल मौजूद था, अब वहां के बच्चों को तीन से छह किलोमीटर दूर दूसरे स्कूलों में जाना पड़ेगा। ऐसे में सवाल उठना लाज़िमी है कि छोटे-छोटे बच्चे इतनी लंबी दूरी कैसे तय करेंगे? जनप्रतिनिधियों और शिक्षा विशेषज्ञों का आरोप है कि सरकार ने मर्जर का फैसला लेते समय ग्रामीण स्थितियों और सामाजिक वास्तविकताओं को दरकिनार कर दिया। यह कदम शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा देने की सोची-समझी

रणनीति का हिस्सा बताया जा रहा है। गरीब तबकों के बच्चों को शिक्षा से वंचित कर, निजी स्कूलों को बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है। उक्त बातें भाकपा (माले) के राज्य सचिव कुणाल ने एक प्रेसवार्ता में कहा कि नीतीश कुमार के शासन में शिक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द–तीनों का लगातार अवनति हुई है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और दलितों के खिलाफ अपराध बढ़े हैं, जबकि किसान अपनी उपज और आमदनी को लेकर परेशान हैं। लंबी दूरी और संसाधनों की कमी के कारण गरीब परिवार अपने बच्चों को स्कूल भेजने में असमर्थ हो जाएंगे। इससे शिक्षा का अधिकार सिर्फ कागजों में रह जाएगा। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि यह नीति ग्रामीण बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा–ह्लजब स्कूल ही दूर हो जाएंगे, तो बच्चे पढ़ेंगे कैसे? यह निर्णय शिक्षा को अमीर-गरीब की खाई में धकेलने वाला है।ह्व कुणाल ने दावा किया कि जनता इस अन्याय के खिलाफ खड़ी हो चुकी है। उन्होंने विश्वास जताया कि विधान परिषद चुनाव में जनता सरकार को करारा जवाब देगी। उन्होंने कहा कि भाकपा (माले) पिछले चुनाव में 12 सीटें जीती थी, और इस बार बीस में बीस सीटें जीतकर गरीबों की आवाज बुलंद करेगी। प्रेसवार्ता में पार्टी के जिला सचिव नवीन, क्षेत्रीय कमेटी सदस्यों सहित अन्य नेता मौजूद थे। सरकार की यह नीति गांवों में शिक्षा के भविष्य पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है। अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या जनता इस मुद्दे पर सड़कों पर उतरकर अपने बच्चों की शिक्षा बचाने की लड़ाई लड़ती है या

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ लोक आस्था का महापर्व छठ

- **अहले सुबह विभिन्न छठ घाटों पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, बेहतर व्यवस्था से खिले श्रद्धालुओं के चेहरे**

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

लोक आस्था से ओतप्रोत छठ महापर्व मंगलवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ सकुशल संपन्न हो गया। अहले सुबह से ही गंगा तट सहित जिले के सभी तालाबों और जलाशयों पर श्रद्धा का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सर पर फल-फूल और प्रसाद से सजी डलिया, हाथों में दूध-गंगाजल से भरे पात्र और मां छठी मइया के गीतों की गूंज के बीच व्रतियों ने भगवान भास्कर को अंतिम अर्घ्य अर्पित कर चार दिवसीय इस कठोर पर्व का समापन किया।

साल दर साल बढ़ती भीड़ के बीच इस बार जिले के सभी छठ घाटों पर प्रशासन और पूजा समितियों की ओर से व्यवस्था काफी काबिल-ए-तारीफ रही। सुरक्षा से लेकर रोशनी और स्वच्छता तक, हर मोर्चे पर मुस्तैदी दिखाई दी, जिसका असर श्रद्धालुओं की खुशी में साफ झलक रहा था।

36 घंटे के निर्जला व्रत के साथ पूरी हुई कठिन साधना

बता दें कि शनिवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हुए इस व्रत में रविवार की शाम व्रतियों ने खरना का प्रसाद ग्रहण किया और इसके बाद 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास शुरू हो गया। बिना पानी और भोजन ग्रहण किए, व्रती सोमवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित करने घाटों पर उतरे। वही दृश्य मंगलवार की भोर में और भी अधिक भावुक और मनोहारी हो गया, जब लाखों श्रद्धालु नदी तटों पर पहुंचकर संगीत और मंत्रोच्चार के बीच उगते सूर्य का स्वागत कर रहे थे।

अर्घ्य के बाद व्रतियों ने प्रसाद ग्रहण कर पर्व पूर्ण किया, और पूरे वातावरण में उल्लास का संचार दिखा।

शहर से गांव तक छठ का जश्न

बक्सर नगर क्षेत्र के गंगा घाटों, नाथबाबा घाट, रामरेखा घाट, गंगा होटल घाट और अन्य प्रमुख घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं का सैलाब देखने को मिला। महिलाओं की कतारें दूर-दूर तक फैली थीं। व्रती महिलाएं कमर तक जल में खड़ी श्रद्धा और सामूहिकता का अद्भुत दृश्य रच रही थीं।

डुमरांव के ऐतिहासिक छठिया पोखरा में भी परंपरा और भक्ति की नई कहानी लिखी गई। यहां की छटा हर साल की तरह इस बार भी देखने लायक रही।

इसके अलावा, राजपुर प्रखंड के प्रसिद्ध देवढ़िया सूर्य मंदिर परिसर में छठ की थीम धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य का संगम बनकर सामने आई। ब्रह्मपुर स्थित बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ शिव मंदिर परिसर, इटाढ़ी, सिमरी और चपरा सिंघल जैसी ग्रामीण इलाकों में भी छठ की धूम किसी बड़े शहर से कम नहीं रही।

गांवों में ढोलक की थाप पर गाए जा रहे पारंपरिक लोकगीत और पूजा-अर्चना के दृश्य ने पूरे जिले को भक्ति में रंग दिया।

सुरक्षा से लेकर स्वच्छता तक, प्रशासन रहा सतर्क

भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने पहले से व्यापक तैयारी कर रखी थी। सभी चिन्हित घाटों पर मजिस्ट्रेट के साथ पुरुष और महिला पुलिस बलों की तैनाती सुचारू रही।

नदी के गहरे हिस्सों को बैरिकेड किया गया था। संवेदनशील घाटों पर नाव और प्रशिक्षित गोताखोर मौजूद रहे, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके।

साथ ही रोशनी की व्यवस्था, अस्थायी शौचालय, पेयजल और मेडिकल टीम की भी उपस्थिति ने लोगों को राहत दी।

पूजा समितियों और स्वयंसेवकों ने भी जगह-जगह श्रद्धालुओं की सहायता कर प्रशासन के प्रयासों में सहयोग दिया।

भक्ति, अनुशासन और उत्साह का समागम

छठ सिर्फ पूजा नहीं, बल्कि सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है। यह पर्व साफ-सफाई, संयम, सादगी और अनुशासन का संदेश देता है। घाटों पर हर ओर स्वच्छता और सुव्यवस्था देखते ही बनती थी।

छठी मइया के गीतों काँच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए...,

की धुनों पर वातावरण अलौकिक और आध्यात्मिक हो उठा था तथा सभी ओर भक्ति रस की अविरल धारा प्रवाहित हो रही थी।

प्रशासन और श्रद्धालुओं ने की जमकर सराहना

श्रद्धालुओं ने कहा कि इस बार घाटों पर व्यवस्थाएं पिछले वर्षों की तुलना में बहुत बेहतर रहीं। लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

वहीं अधिकारीयों ने इसे टीमवर्क का परिणाम बताया और आने वाले वर्षों में व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने का आश्वासन दिया। जैसे ही सूर्यदेव की सुनहरी किरणों ने जल में प्रतिबिंबित होकर आशा और ऊर्जा का संदेश दिया, वैसे ही लोगों के चेहरे खुशी और संतोष से खिल उठे। भक्ति, विश्वास और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का यह अद्भुत पर्व अगले वर्ष फिर उसी श्रद्धा और आस्था के साथ लौटेगा, इसी कामना के साथ छठ महापर्व का समापन हुआ।

एक नजर

बिहार में फिर एनडीए की ही बनेगी सरकार और नीतीश ही होंगे सीएम उपेन्द्र कुशवाहा

राजपुर। राजपुर विधानसभा क्षेत्र के धनसोई स्थित हाई स्कूल खेल मैदान में मंगलवार को एनडीए के साझा बैनर तले विशाल जनसभा आयोजित की गई। सभा में मुख्य रूप से पूर्व केंद्रीय मंत्री व राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा तथा पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला समेत कई बड़े नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरएलएम जिलाध्यक्ष बिंध्याचल कुशवाहा ने की, संचालन हम पार्टी के जिलाध्यक्ष बलिराम कुशवाहा ने किया। जनसभा में एनडीए नेताओं का फोकस साफ था, राजपुर सीट पर फिर से कब्जा और नीतीश कुमार को दोबारा मुख्यमंत्री बनाना। जदयू जिलाध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि पिछली गलतियों से सबक लिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य में एनडीए की सरकार है, ऐसे में जिले को विपक्ष के झंझट से मुक्ति दिलाने का वक्त आ गया है। अपने संबोधन में पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला ने विकास का ब्यौरा रखते हुए जनता से समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण समस्याओं को समझते हुए आठ बड़े पुलों का निर्माण करवाया। आपकी आवाज को सदन में पहुंचाने का काम किया। मेरा जीवन राजपुर के लिए समर्पित है। निराला ने अफवाहों से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि राजपुर का विकास ही उनका एकमात्र संकल्प है। मुख्य अतिथि उपेंद्र कुशवाहा ने निराला को एनडीए का सशक्त चेहरा बताते हुए कहा कि इस बार बिहार में मिजाज साफ है। सूरज की तरह साफ, एनडीए की ही सरकार बनेगी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे। आपके एक-एक वोट से निराला मजबूती पाएंगे, और उनकी जीत से हम संसद व सरकार में और मजबूत होंगे। उन्होंने विरोधियों पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ दल केवल खटिया दिलाने की राजनीति करते रहे, जबकि नीतीश कुमार ने हर वर्ग को कुर्सी पर बैठने का सम्मान दिया। शौचालय, जीविका, मुफ्त अनाज सहित महिलाओं की आर्थिक मजबूती को सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया।

आईटीआई मैदान में सीएम योगी का आगमन आज, भाजपा में दिखा जोर-शोर

डुमरांव। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बक्सर में राजनीतिक तापमान तेजी से चढ़ने लगा है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी बक्सर जिला संगठन अपने फायरब्रांड नेता एवं उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भव्य स्वागत की तैयारियों में जुट गया है। पार्टी की ओर से दावा किया जा रहा है कि उनकी रैली जिले की चारों सीटों पर भाजपा की जीत का बिगुल साबित होगी। मंगलवार को भाजपा बक्सर विधानसभा चुनाव कार्यालय में मुख्यमंत्री योगी के आगमन को लेकर तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने की। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं, ताकि कार्यक्रम को सफल बनाया जा सके। पार्टी सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार, 29 अक्टूबर 2025 को अपराह्न 1.30 बजे बक्सर के आईटीआई मैदान पहुंचेंगे। यहीं से वे जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों, बक्सर, डुमरांव, ब्रह्मपुर और राजपुर के अलावे रामगढ़ के प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा कार्यकर्ता दावा कर रहे हैं कि योगी के आगमन से बक्सर में भाजपा के चुनावी अभियान को नई ऊर्जा मिलेगी और कार्यकताओं में जोश भरने का काम होगा। जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने कहा कि सनातन संस्कृति के रक्षक और करोड़ों लोगों के प्रेरणास्त्रोत योगी आदित्यनाथ के आगमन से बक्सर की धरती गौरवान्वित है। जनता उनके संबोधन का बेसब्री से इंतजार कर रही है। उन्होंने सभी कार्यकताओं और समर्थकों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर मुख्यमंत्री का स्वागत करें और भाजपा प्रत्याशियों को विजयी बनाने में सहयोग दें। आईटीआई मैदान में सुरक्षा व्यवस्था, मंच निर्माण और भीड़ प्रबंधन को लेकर प्रशासन और पार्टी कार्यकताओं द्वारा तेजी से तैयारियां की जा रही हैं।

हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ केसठ में छठ महापर्व, वाराणसी के पंडितों ने कराई भव्य गंगा आरती

केटी न्यूज/केसठ

छठ महापर्व के अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न घाटों पर रखे भगवान भास्कर का पट विधि-विधान से खोला गया। आचार्य पंडितों ने मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर व्रतियों को अर्घ्य दिलाया। श्रद्धालुओं ने गाय के दूध, जल, फूल और फल अर्पित कर सूर्य देव से सुख-समृद्धि की कामना की। पट खुलते ही पूरे घाट पर जय छठी मैया और सूर्य भगवान के जयकारे गूंज उठे, जिससे वातावरण भक्तिमय बन गया।लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा का समापन मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में हुआ। प्रखंड क्षेत्र के केसठ, रामपुर सहित कई गांवों में छठ व्रतियों ने 36 घंटे के निर्जला उपवास के बाद भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर व्रत पूर्ण किया। पूरे क्षेत्र में छठ के गीत, गाजे-बाजे और बच्चों की आतिशबाजी से माहौल भक्तिमय बना रहा। विभिन्न पूजा समितियों की ओर से घाटों को फूल, झालर और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया था। केसठ के प्रखंड परिसर स्थित प्राचीन पोखरा छठ घाट पर वाराणसी से आए आचार्य पंडितों द्वारा भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। दीपों की लौ और मंत्रोच्चारण से वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने आरती के दृश्य को अपने कैमरों में कैद किया। इस दौरान वाराणसी से आए कलाकारों द्वारा राधा-कृष्ण झांकी, भगवान भोलेनाथ का तांडव, दुर्गा अवतार और छठी मैया की मनोहारी प्रस्तुति दी गई। देर रात तक चले कार्यक्रम में हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिरस में डूबा रहा।रामपुर गांव में इस बार पहली बार भगवान सूर्य की प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। पूरे गांव के लोगों ने मिलकर घाट को सजा दिया था। श्रद्धालुओं ने गाय के दूध से अर्घ्य अर्पित कर भगवान भास्कर से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।पूजा-पाठ का सिलसिला पूरे दिन चलता रहा। स्थानीय आचार्यों व पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ व्रतियों को विधिपूर्वक पूजा संपन्न कराई। घाटों पर व्रतियों के साथ परिजन भी उपस्थित रहे। महिलाएं छठी मैया के पारंपरिक गीतों पर झूमती नजर आईं।कार्यक्रम के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन की भूमिका सराहनीय रही। बीडीओ विजय कुमार सौरभ स्वयं पूरे कार्यक्रम की निगरानी करते रहे। वहीं अर्द्धसैनिक बल, थाना पुलिस, पंचायत मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान, राजद नेता सुनील कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव, प्रखंड प्रमुख मुन्ना सिंह, और नावानगर थाना पुलिस तैनात रही।भव्य सजावट, अद्भुत आरती और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने इस वर्ष के छठ पर्व को यादगार बना दिया। पूरा केसठ क्षेत्र भक्ति, आस्था और सामूहिक एकता के रंग में रंगा नजर आ रहा था।

-- आकर्षण का केंद्र बने केसठ के पोखरा व मिठाइयां पुल घाट, श्रद्धालुओं ने लिया सेल्फी का आनंद प्रखंड मुख्यालय स्थित पोखरा छठ घाट और मिठाइयां पुल स्थित नहर पर बनाए गए पंडाल इस वर्ष छठ पर्व का खास आकर्षण रहे। दोनों घाटों पर भगवान भास्कर की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई थी, जिनकी सजावट रंग-बिरंगी झालरों, फूलों और रोशनी से की गई थी। चमचमाती लाइटों और कलात्मक डिजाइन वाले पंडालों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। घाटों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे और भगवान सूर्य देव से परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। घाट का मनमोहक दृश्य देखने लायक था। वहीं युवा वर्ग और महिलाओं ने सजावट व प्रतिमा के साथ खूब सेल्फी ली। देर रात तक लोगों की भीड़ घाटों पर बनी रही।

नीतीश कुमार जो कहते है उसे पूरा करते है : विंध्याचल राय

- **वक्फ बोर्ड कानून पर भ्रम फैला रहे तेजस्वी, जिले के चारों विधानसभा सीटो पर खिलेगा एनडीए का कमल**

केटी न्यूज/डुमरांव

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जो कहते है उसे पूरा करते है तथा जो कहे है वह आज तक पूरा हुआ है। ये बातें भाजपा विधि प्रकोष्ठ (लिगल सेल) के प्रदेश संयोजक सह पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता विन्ध्याचल राय ने मंगलवार को डुमरांव में आयोजित प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि एनडीए विकास की राजनीति करती है। इस बार के चुनाव में भी एनडीए के सभी घटक दलों ने विकास के आधार पर ही चुनावी मैदान में जाने का फैसला किया है, जबकि विपक्ष जाति, धर्म का नारा दे रहा है तथा लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा कर रहा है। वहीं, तेजस्वी यादव के उस बयान जिसमें उन्होंने कहा है कि यदि मेरी सरकार बनी तो वफ्फ कानून को कूड़ेदान में फेक देंगे, इस पर विन्ध्याचल ने कहा कि जिस कानून को देश की संसद ने बनाया है, उसे राज्य सरकार कैसे निरस्त कर सकती है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग लोकतंत्र व देश की संसद का अपमान करते है। उन्हें यह पता नहीं है कि देश में कानून बनाने के लिए संसद सर्वोच्च संस्था है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई राज्य सरकार वफ्फ कानून को अब बदल या निरस्त नहीं कर सकती है, तेजस्वी यादव सिर्फ वोट बैंक की राजनीति के लिए ऐसा कह रहे है। वहीं, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार के डबल इंजन की सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों से बिहार की जनता को उनके प्रति विश्वास और बढ़ा है तथा इस बार भी बिहार में एनडीए की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। विन्ध्याचल ने डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के जदयू प्रत्याशी राहुल सिंह की जमकर तारीफ की और कहा कि वे पूर्व फौजी व अधिवक्ता है। उन्होंने कहा कि डुमरांव की धरती अमर शहीदों की धरती है, इस बार यहां के लोग लाल गुलामी छोड़कर वंदे मातरम बोलेंगे। उन्होंने डुमरांववासियों से राहुल सिंह को भारी मतो से विजयी बनाने की अपील की। विन्ध्याचल ने कहा कि जिले के चारों विधानसभा सीटो पर इस बार एनडीए का कमल खिलना तय है। विपक्ष के नफरत व भ्रम फैलाने की राजनीति को यहां के मतदाता जान चुके है।

उन्होंने कहा कि 125 यूनिट बिजली मुफ्त योजना, लाखों सड़कों का जीर्णोद्धार, पेंशन में बढ़ोतरी, और जीविका दीदियों के लिए रोजगार उत्थान योजना जैसी योजनाओं ने आम जनता के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। इन योजनाओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है और आम परिवारों को राहत मिली है।

उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार के अगले पांच वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य व उद्योग-धंधों के क्षेत्र में कई मील के पत्थर स्थापित होंगे। प्रेस वार्ता में भाजपा प्रवक्ता शक्ति राय, वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव कुमार भगत, भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुमन श्रीवास्तव, राजू कुमार, लवलेश मिश्र, संतोष कुमार आदि मौजूद थे।

सुभाषितम्

विश्व के निर्माण में जिसने सबसे अधिक संघर्ष किया है और सबसे अधिक कष्ट उठाए हैं वह माँ है। - हर्ष मोहन

जन्म नियंत्रण गोली के जनक वैज्ञानिक कार्ल जेरासी

- संजय गोस्वामी

जन्मदिन 29 अक्टूबर 25 पर विशेष जन्म नियंत्रण गोली के जनक कार्ल जेरासी का जन्म 29 अक्टूबर, 1923 को ऑस्ट्रिया में हुआ था। वह ऑस्ट्रिया में जन्मे एक बल्गेरियाई-अमेरिकी दवा रसायनज्ञ थे इसके साथ-साथ वे, उपन्यासकार और नाटककार थे कार्ल जेरासी को गर्भनिरोधक गोली का जनक माना जाता है क्योंकि उन्होंने मौखिक गर्भनिरोधक गोली के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उनके काम ने लाखों महिलाओं के जीवन और प्रजनन के तरीकों में बदलाव लाया कार्ल जेरासी एक संरचनात्मक रसायनज्ञ थे। वे एक फार्मास्युटिकल केमिस्ट, एक उपन्यासकार और नाटककार, और कला के एक उदार समर्थक भी थे। आज, किसी नव-संश्लेषित या नव-वियुक्त यौगिक के संरचनात्मक सूत्र का स्पष्टीकरण, संरचनात्मक रसायन विज्ञान से ज्यादा विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान का कार्य है। हालाँकि, आम धारणा में यह बिल्कुल भी स्पष्ट नहीं है। यह हमारी पत्रिका में बार-बार आने वाले उन लेखों में प्रकट होता है जिनमें किसी अज्ञात पदार्थ की पहचान भौतिक और संगणनात्मक तकनीकों द्वारा बिना किसी अतिरिक्त जानकारी के बताई जाती है। संरचनात्मक रसायन विज्ञान का उद्देश्य और दायरा ऐसा नहीं है जैसा कि इसके उद्देश्यों और दायरे में वर्णित है। हालाँकि, जब ऐसे विश्लेषणों की प्रमुख भौतिक तकनीकों का विकास हो रहा था, तब ऐसे कार्य प्रासंगिक शोध में सबसे आगे थे। कार्ल जेरासी, संरचना स्पष्टीकरण को अनुप्रयुक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी और फिर नियमित विश्लेषण में बदलने वाले परिवर्तन के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे। वे स्वयं को एक संश्लेषित रसायनज्ञ के बजाय एक अपघटक रसायनज्ञ मानते थे। उन्होंने कार्बनिक रसायन विज्ञान में, मुख्यतः स्टेरॉयड के साथ, काम किया। सबसे पहले, उन्होंने पराबैंगनी स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग किया और उसके बाद अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी का। परिवर्तनों का आभास देने के लिए, इससे पहले, रसायनज्ञ पदार्थों की पहचान के लिए गलनांक निर्धारण का उपयोग करते थे। कार्बनिक रसायन प्रयोगशाला में अगली स्पेक्ट्रोस्कोपी एनएमआर थी, जिसके तुरंत बाद द्रव्यमान स्पेक्ट्रोमेट्री आई। काइरोप्टिकल विधियों, ईएसआर और अन्य तकनीकों ने उपकरणों को समृद्ध किया, विशेष रूप से विशिष्ट समस्याओं के समाधान के लिए। जेरासी अपने अधिकांश कार्बनिक रसायन विज्ञान के सहयोगियों से इस मायने में अलग थे कि उन्हें भौतिक विधियों में ही रुचि थी। उन्होंने स्टेरॉयड रसायन विज्ञान में अपनी अपार सफलता का श्रेय इन तकनीकों में अपनी महारत को दिया। अपनी रुचियों को दर्शाने के लिए उन्हें एक और पदनाम पसंद था, वह था प्राकृतिक उत्पाद रसायनज्ञ। इससे तथाकथित तीसरी दुनिया के देशों के विज्ञान और वैज्ञानिकों के प्रति उनकी रुचि का भी पता चलता था। पादप उत्पादों और कभी-कभी पशु उत्पादों की उपलब्धता का अर्थ था कि तीसरी दुनिया में काम करने वाले रसायनज्ञ, अधिक उन्नत देशों में बेहतर परिस्थितियों में काम करने वाले अपने सहयोगियों की तुलना में कुछ हद तक लाभ में थे। निस्संदेह, न केवल ऐसे संसाधनों की उपलब्धता, बल्कि ज्ञान भी, उनके उपयोग को संभव बनाता था। जेरासी चीनी और भारतीय चिकित्सा के साथ-साथ मैक्सिकन और लैटिन अमेरिकी चिकित्सा के एक समर्पित छात्र थे। उन्होंने मैक्सिको और ब्राजील में काफी काम किया। अंततः, समुद्री प्राकृतिक उत्पादों में उनकी गहरी रुचि विकसित हो गई। जेरासी स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान के एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर थे, लेकिन शिक्षा जगत में उनका रास्ता अधिकांश लोगों की तुलना में अधिक कठिन था। उनका जन्म वियना में एक बल्गेरियाई त्वचा विशेषज्ञ पिता, सैमुएल जेरासी, और एक विनीज दंत चिकित्सक मां, एलिस फ्रीडमैन के घर हुआ था, दोनों यहूदी थे झ वे, सेफर्डिक; वे, अश्केनाजी। ऑस्ट्रियाई और बल्गेरियाई संबंधों को हाल ही में दोनों देशों द्वारा डाक टिकटों के साथ प्रदर्शित किया गया था। जेरासी के जन्म के बाद, परिवार सोफिया, बुल्गारिया चला गया। जब उनके माता-पिता का तलाक हो गया, तो जेरासी और उनकी मां वियना वापस चले गए और उन्होंने एक विनीज हाई स्कूल, एक व्यायामशाला में पढ़ाई की और अपने पिता के साथ बुल्गारिया में गर्मियों में समय बिताया। 1938 में जर्मनी द्वारा ऑस्ट्रिया, एंस्क्लस पर कब्जा करने के बाद, जेरासी और उनकी मां बुल्गारिया भाग गए वह और उनकी माँ 1939 में संयुक्त राज्य अमेरिका पहुँचे। उनके पिता 1949 में अमेरिका चले गए। नेवार्क, न्यू जर्सी में अध्ययन किया, जहां उन्हें पहली बार रसायन विज्ञान से परिचय हुआ, और यह एक उत्कृष्ट शिक्षक, नाथन वाशटन द्वारा किया गया था। इसके बाद जेरासी ने मिसौरी के टार्कियो कॉलेज में एक सेमेस्टर बिताया (यह अब अस्तित्व में नहीं है)। अपनी पढ़ाई पूरी करने के लिए, वह ओहियो के केन्योन कॉलेज गए। वहां उन्होंने उत्कृष्ट रसायन विज्ञान के प्रोफेसरों से सीखा; वाल्टर कूलिज से कार्बनिक रसायन विज्ञान और बेयस नॉर्टन से भौतिक रसायन विज्ञान। जेरासी की कॉलेज की शिक्षा एक अमेरिकी छात्रवृत्ति द्वारा संभव हुई, जिसमें रहने और खाने के साथ-साथ ट्यूशन भी शामिल था। वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण (शुरूआत में, उनकी माँ केवल एक चिकित्सक के सहायक के रूप में काम कर सकती थीं), जेरासी ने एक वर्ष तक उक्इअ में एक जूनियर केमिस्ट के रूप में काम किया। इसके बाद उन्होंने विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय में स्नातक स्कूल में दाखिला लिया और 1945 में अपनी पीएचडी अर्जित की कई लोगों ने इसे बेतुका माना, खासकर इसलिए क्योंकि आज संचार की जो संभावनाएँ इतनी आसानी से उपलब्ध हैं, वे उस समय मौजूद नहीं थीं। उन्होंने मेक्सिको में बिताए अपने समय को अपने वैज्ञानिक जीवन का सबसे उत्पादक समय माना। पादप उत्पादों से कॉर्टिसोन का पहला संश्लेषण, पहला मौखिक गर्भनिरोधक, और ढेर सारे स्टेरॉयड उनकी सफलता का प्रतीक थे। उन्होंने मेक्सिको को स्टेरॉयड हार्मोन के क्षेत्र में विश्वव्यापी उत्पादन और यहाँ तक कि अनुसंधान का केंद्र बनने में मदद की। मेक्सिको में उनकी उपलब्धियों ने उन्हें वेन स्टेट यूनिवर्सिटी में अपनी पहली अकादमिक नौकरी दिलाई, जहाँ वे स्टैनफोर्ड जाने से पहले पूर्ण प्रोफेसर बन गए थे। स्टैनफोर्ड प्रोफेसरशिप एक बड़ी उपलब्धि थी, जो उनके लंबे करियर के दौरान उन्हें मिली कई उपलब्धियों में से एक थी। वे अमेरिका की राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के सदस्य थे। उन्हें 1973 में राष्ट्रीय विज्ञान पदक और 1991 में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी पदक, दोनों प्राप्त करने का अनूठा गौरव प्राप्त था। इसने मौलिक विज्ञान और उसके अनुप्रयोगों, दोनों में उनकी उत्कृष्टता को प्रदर्शित किया। वे 1978 में रसायन विज्ञान में वुल्फ पुरस्कार के पहले प्राप्तकर्ता थे। वे रॉयल सोसाइटी और रॉयल स्वीडिश विज्ञान अकादमी के विदेशी सदस्य भी थे। बाद वाले की बदौलत, एक अवसर पर, उन्होंने रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार पर चर्चा में भाग लिया। हालांकि उन्हें नोबेल पुरस्कार मिल सकता था, लेकिन उन्हें कभी नहीं मिला, और यह पुरस्कार उनके लेखन से स्पष्ट रूप से झलकता था। विज्ञान से उपन्यास और नाटक लिखने तक उनके लिए एक लंबा और क्रमिक परिवर्तन था। उनका पहला उपन्यास कैंटर्स डिलेमा [4] था जिसमें उन्होंने नोबेल समारोहों का विस्तार से वर्णन किया था, जिसमें उत्सव का रात्रिभोज भी शामिल था।

अमेरिका ने फिर भेजे बेड़ी और हथकड़ी में भारतीयों को

अमेरिका द्वारा एक बार फिर भारतीयों को बेड़ी और हथकड़ियों में जकड़कर भारत डिपोर्ट किया गया है। यह कृत्य मनोवैज्ञानिक संवेदनशीलता और मानवीय गरिमा दोनों के खिलाफ है। अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकारों, भारत और अमेरिका के संबंधों को लेकर भी यह कृत्य बहुत आपत्तिजनक है। सूचनाओं के मुताबिक कई युवा, बेहतर जीवन और रोजगार की उम्मीद लेकर अमेरिका गए थे। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगातार नियम और कानून को बदला जा रहा है, ऐसी स्थिति में ही उन्हें अमेरिका से बाहर निकाला जा रहा है। जिन लोगों को अमेरिका से भारत भेजा गया है, उनके साथ अमेरिका में हिंसक और अपमानजनक व्यवहार किया गय और फिर आतंकवादियों की तरह भारत वापस भेजा गया है। उनके हाथ-पैर जंजीरों में बन्धे हुये थे। इस स्थिति को लेकर युवा और उनके परिवारजन किस तरह से अपमानित और असहज महसूस कर रहे होंगे। इसका आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। यह कार्यवाही साधारण नीतिगत कदम नहीं है। ट्रंप प्रशासन भारत के साथ जानबूझकर इस तरह की कार्यवाही कर रहा है। पहले भी इस तरह की कार्रवाई अमेरिका कर चुका है। भारत सरकार द्वारा विरोध दर्ज कराने के बाद भी यदि यही कार्रवाई बार-बार हो रही है तो यह भारत के लिए बड़ी चिंताजनक स्थिति है। कई वर्षों से चले आ रहे प्रवासन, मानव तस्करी और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की जटिल समस्या एक अलग बात है, लेकिन जो छात्र या अन्य लोग रोजी रोजगार के लिए गए हैं जो किसी अपराध में लिप्त नहीं थे उन्हें यदि इस तरीके से भारत वापस भेजा जाता है तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। सबसे पहले, इसे मानवाधिकार के नजरिए से देखा जाना चाहिए। किसी भी नागरिक को, चाहे वह किसी भी देश का क्यों न हो। जब गिरफ्तार या डिपोर्ट किया जा रहा हो, तब उसके साथ इस तरह का व्यवहार, जिसमे भूख-प्यास, कई दिनों तक हिरासत में रखने और उत्पीड़न कर पीड़ित करने जैसे कृत्य अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के विरुद्ध हैं। आब्रजन नियमों के उल्लंघन में बच्चे, बूढे, युवा और महिलाओं को हिरासत में रखकर भोजन-जल तथा बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। वह हिरासत में शारीरिक एवं मानसिक प्रताड़ना झेलते हैं। यह कानूनी कार्रवाई नहीं, मानवता पर चोट है। इससे स्पष्ट होता है कि अमेरिका की सरकार जानबूझकर भारत को अपमानित करने के लिए इस तरह से भारतीयों को परेशान कर रही है। भारत सरकार का दायित्व बनता है, वह अपने नागरिकों की गरिमा और सुरक्षा की निगरानी करे। विशेषकर उन लोगों की जो धोखे या एजेंटों के जाल में फँसकर पढ़ाई अथवा रोजगार के कारण अमेरिका जाते हैं। यह स्पष्ट है, आर्थिक विषमता, शिक्षा सीमापार रोजगार की लालसा, प्रवासन इसका मुख्य कारण है। विदेश में जाकर पढ़ाई और रोजगार करने के लिए कई परिवारों ने जमीन-सम्पत्ति बेच दी। युवाओं ने बड़े कर्ज उठाकर विदेश जाने की कोशिश की। भारत और अमेरिका के ठगों द्वारा मानों उन्हें शिक्षा और रोजगार के नाम पर धोखा देकर ठग लिया गया हो। ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में अपने कानून में परिवर्तन करके जो कल तक वैध था उसे आज अवैध बना दिया है। ऐसी स्थिति में अमेरिका और भारत सरकार के लिए जिम्मेदारी और एक चुनौती है। दोनों देशों के लिए इस स्थिति से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। इस तरह की समस्या को कूटनीतिक संवाद और समझौते के माध्यम से सुलझाया जाना जरूरी होता है। पूर्व में हुई सहमति के बावजूद यदि इस तरह का व्यवहार किया जाता है, तो यह दोनों देशों के बीच स्पष्ट तर्क-वितर्क और पारदर्शिता की कमी अथवा जानबूझकर किया जा रहा कृत्य माना जायगा। पीड़ित परिवारों की सुनवाई और दोषी एजेंटों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना दोनों देशों की जिम्मेदारी है।

इंटरनेट: दुनिया को जोड़ने की कुंजी

- दिलीप कुमार पाठक

आज दुनिया की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक इन्टरनेट है, आम के दौर में जिसके पास इन्टरनेट नहीं है तो वो पूरी दुनिया से अलग - थलग रह जाएगा, और उसे पीछे छोड़कर दुनिया आगे निकल जाएगी ' दुनिया के किसी भी देश की तरक्की में इन्टरनेट सबसे बड़ा माध्यम माना जाता है, जिस देश को आधुनिकता के साथ विविध क्षेत्रों में अगर तरक्की करनी हैं यही कारण है कि आज इन्टरनेट की उपयोगिता बढ़ रही है, धीरे-धीरे ही सही अब इन्टरनेट की ताकत एवं उसकी महत्ता के प्रति लोग जागरूक हो चले हैं, हालांकि पूरी दुनिया जब तक पूरी तरह से इन्टरनेट से जुड़ नहीं जाती तब तक दुनिया असंतुलित ही रहेगी ' एक तरफ भारत जैसे देशों में 5ऋ की गति के साथ इन्टरनेट तरक्की के मार्ग पर अग्रसर कर रहा है तो दुनिया में कुछ मुल्क ऐसे भी हैं कि उन्हें इन्टरनेट की दरकार है, परंतु सीमित संसाधनो के कारण उन्हें वो मदद नहीं मिल रही यही कारण है कि दुनिया के कई हिस्सों में, 29 अक्टूबर को मानव इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण आविष्कार के रूप में अंतर्राष्ट्रीय इंटरनेट दिवस मनाया जाता है '

कंप्यूटर नेटवर्क की एक विश्वव्यापी प्रणाली, इंटरनेट उपयोगकताओं के लिए एक कंप्यूटर से दूसरे कंप्यूटर पर जानकारी प्राप्त करने के लिए नेटवर्क का एक नेटवर्क है। डेटारिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में पाँच अरब से अधिक लोग रोजाना इंटरनेट का उपयोग करते हैं। लेकिन इंटरनेट केवल सोशल मीडिया स्क्रॉल करने या अपनी पसंदीदा स्ट्रीमिंग सेवा देखने के बारे में नहीं है। इसका एक बड़ा हिस्सा इस बात की दृश्यता प्राप्त करने के लिए उपयोग किया जाता है कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स के माध्यम से हमारे आसपास की दुनिया कैसे काम करती है। क्क्ष्ळ दुनिया भर के उद्योगों को बदल रहा है। यह इंटरनेट पर अन्य उपकरणों और प्रणालियों के साथ डेटा का आदान-प्रदान करने के लिए भौतिक वस्तुओं को सेंसर, प्रसंस्करण क्षमता, सॉफ्टवेयर और अन्य तकनीकों से जोड़ रहा है। सेमटेक का कहना है कि क्क्ष्ळ (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) के लिए कोई एक समाधान नहीं है जो सभी तरह के कनेक्शन को संभाल सके। क्क्ष्ळ का भविष्य खुले नेटवर्क और मिलकर काम करने से बनेगा।

इंटरनेट के बिना दुनिया की कल्पना करना मुश्किल है, लेकिन हकीकत यह है कि दुनिया की सतह के केवल 10 प्रतिशत हिस्से में ही स्थलीय कनेक्टिविटी उपलब्ध है। उदाहरण के लिए, ग्रामीण इलाकों में स्थित खेत, समुद्र के बीच में मालवाहक जहाज, या दूरदराज के जंगलों में स्थित अनुप्रयोगों में कनेक्टिविटी बहुत कम होती है। दुनिया भर के देशों में, ऐसे शहर और गाँव हैं जहाँ ब्रॉडबैंड सेवाएँ या क्क्ष्ळ तक पहुँच सीमित है। स्मार्ट शहरों में, औद्योगिक भवनों को ऐसे नेटवर्क की आवश्यकता होती है जो कंक्रीट की दीवारों और कई मंजिलों जैसी घनी निर्माण सामग्री में प्रवेश कर सकें, जिससे कनेक्टिविटी मुश्किल हो सकती है। लॉजिस्टिक्स, समुद्री, बेड़ा प्रबंधन, ऊर्जा और पर्यावरण निगरानी जैसे उद्योगों में, वैश्विक कनेक्टिविटी की आवश्यकता वाले बड़े क्क्ष्ळ उपयोग मामलों की संख्या बढ़ती रहेगी। 2025 तक, 75 अरब क्क्ष्ळ उपकरणों के ऑनलाइन होने का अनुमान है, और स्टेटिस्टा का कहना है कि इनमें से अधिकांश ऐसे क्षेत्रों में होंगे जहाँ सामान्य इंटरनेट कनेक्शन नहीं है। बड़े पैमाने पर क्क्ष्ळ (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) को सफल बनाने के लिए, हमें एक ऐसे नेटवर्क की आवश्यकता है जो हर जगह कवरेज प्रदान करे। इसके लिए, हमें विभिन्न प्रकार के नेटवर्क कनेक्टिविटी का संयोजन करना होगा जो विभिन्न उद्योगों की जरूरतों को पूरा कर सके। क्क्ष्ळ अनुप्रयोगों में उन्नति के लिए, लो-पावर वाइड-एरिया नेटवर्क (छढहअठ) और क्लाउड तकनीक का संयोजन बहुत महत्वपूर्ण है। ये तकनीकें स्केलेबल नेटवर्क और कम लागत वाले सेंसर प्रदान करती हैं जो लंबी दूरी तक काम करते हैं और कम बिजली की खपत करते हैं। इन नेटवर्कों को क्लाउड तकनीक के साथ एकीकृत करने से बड़ी मात्रा में डेटा का प्रबंधन आसान हो जाता है और संगठनों को महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है जिससे वे अपने काम में सुधार कर सकते हैं। व्यापक क्क्ष्ळ (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) के लिए, हर उद्योग अपने लिए सबसे अच्छा समाधान और नेटवर्क चुन सकता है। तकनीक के संयोजन से, कनेक्टिविटी विकल्प बिजली की खपत, रेंज और बैंडविड्थ के बीच बदलते रहते हैं, जो अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त होता है। इन नेटवर्कों के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है, बल्कि ये एक-दूसरे के पूरक हैं। वैश्विक कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए, इन्हें एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना होगा ' भविष्य में, विश्वसनीय, आसान और सस्ती कनेक्टिविटी प्रदान करना एक स्मार्ट और बेहतर कनेक्टेड दुनिया बनाने की कुंजी होगी। चूंकि शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीकी विकास के लिए सबसे जरूरी इन्टरनेट ही है, यही कारण है कि बेहतर कनेक्टिविटी के लिए पूरी दुनिया को इंटरनेट से जोड़ना होगा...

अमित शाह का मिशन जय-विजय नीतीश और महागठबंधन

-कुमार कृष्णन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का सपना अगले पाँच दशकों तक पंचायत से लेकर संसद तक भारतीय जनता पार्टी को सत्ता में देखना है। नरेंद्र मोदी के पहले कार्यकाल में भाजपा अध्यक्ष के रूप में, शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से बार-बार इस दीर्घकालिक दृष्टिकोण के लिए खुद को समर्पित करने का आग्रह किया था। बिहार का उस सपने में एक विशेष स्थान है। शाह 2015 में उनके नेतृत्व में राज्य में भाजपा को मिले उस झटके को नहीं भूले हैं, जब समाजवादी दिग्गज लालू प्रसाद और नीतीश कुमार ने भाजपा की सत्ता की कोशिश को विफल करने के लिए हाथ मिलाया था। उनके करीबी लोगों के अनुसार, बिहार से ज्यादा, कुमार का विश्वासघात–भाजपा को छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन करने का उनका फैसला–शाह को खटक रहा है। नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में वापस आ गए हैं, लेकिन भाजपा के एकछत्र शासन की उनकी आकांक्षा अभी भी अधूरी है। बिहार में एक और चुनाव होने जा रहा है, शाह अपने सपने को हकीकत में बदलने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। वह न केवल बंद दरवाजों के पीछे रणनीति बना रहे हैं, बल्कि चुनाव प्रचार में भी आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं। जहां मोदी ने शुक्रवार को दो रैलियों के साथ अपने अभियान की शुरूआत की, वहीं शाह ने भी उनकी गति से कदमताल मिलाते हुए उसी दिन दो रैलियां तथा शनिवार को बिना रूके दो रैलियां खगड़िया और मुंगेर में कीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को मुंगेर व खगड़िया की धरती पर पांच वर्ष बाद उनका यह दौरा राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना था। इससे पूर्व 2020 के विधानसभा चुनाव में वे मुंगेर आए थे। इस बार नौवागढ़ी में आयोजित जनसभा के माध्यम से वे न सिर्फ मुंगेर, बल्कि आसपास के जिलों खगड़िया, बांका, लखीसराय और जमुई के एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में वोट की अपील की। इससे पहले खगड़िया में खगड़िया मुख्यालय (संसारपुर मैदान) की सभा रद्द होने से तेजस्वी यादव भड़क उठे।इसे तानाशाही रवैया करार दिया। तेजस्वी ने आरोप लगाया, भाजपा और प्रशासन को जनता की भीड़ से डर लग रहा है। लेकिन जनता अब किसी के दबाव में आने वाली नहीं है। जनता का मूड भांपना कठिन है। मुंगेर में मंच पर पहुंचने के बाद अमित शाह ने देखा कि दर्शक दीर्घा में कुर्सियां खाली हैं। स्वागत समारोह के दौरान, भीड़ कम होने पर उन्होंने मंच संचालन कर रहीं अंजू भारद्वाज को इशारा किया और प्रदेश अध्यक्ष से संबोधन शुरू करने को कहा। इसी बीच, गृह मंत्री अपनी कुर्सी से उठकर खड़े हो गए और मंच से ही सुरक्षा में लगे पुलिस जवानों को निर्देश दिया कि वे चेकिंग हटा दें और लोगों को बिना जांच के कार्यक्रम स्थल पर आने दें। अमित शाह जंगल राज का हवाला देते रहे है।वहीं दूसरी ओर महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने सत्तारूढ़ एनडीए के साथ चुनावी जंग शुरू कर दी, जिसकी सरकार ने बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान कई मुफ्त योजनाओं की घोषणा की थी। वहीं महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में घोषित तेजस्वी यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि बिहार में सत्तारूढ़ राजग खत्म होने की राह पर है और महागठबंधन के नेतृत्व वाली राज्य की नई सरकार केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लाए गए वक्फ अधिनियम को कूड़ेदान में डाल देगी।

चिंतन-मनन

सुखी रहना है तो ईश्वर से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यूं देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरूषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है। आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और नन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैंसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दुःख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए। ओशो का मत है कि भक्त भगवान की पीड़ा में जितना जलता है, उतना ही भगवान के करीब होने लगता है। एक दिन वह घड़ी आती है जब भक्त भगवान में विलीन हो जाता है। रामकृष्ण परमहंस का जीवन इसी बात का उदाहरण है। वर्तमान समय में लोग साढ़ेसाती का नाम सुनकर कांपने लगते हैं।

आज का राशिफल

मेष आज आपकी कोई महत्वपूर्ण डील फाइनल हो सकती है। इससे आपको आर्थिक लाभ होगा।

तुला आज जबरदस्त लाभ देने वाला साबित होगा। आपका दिन लाभ और उन्नति देने वाला रहेगा।

वृषभ मानसिक शांति प्रदान करने वाला रहेगा। आपको नई योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने का समय मिलेगा।

वृश्चिक आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। इस दौरान किए गए आपके प्रयास रंग लाएंगे।

मिथुन आज दिन आपके लिए आरामदायक और मानसिक सुकून देने वाला रहेगा।

धनु थोड़ा उथल पुथल भरा रहने वाला है। सोच-समझकर निर्णय लेने में ही आपकी भलाई है।

कर्क मन से किए गए कार्यों में सफलता प्रास होगी और जल्द ही उसका परिणाम आपको देखने को मिलेगा।

मकर इस दिन भागीदारी में किया गया व्यापार आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा।

सिंह दिन व्यस्त नजर आ रहा है। अध्यात्म से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने का मौका मिलेगा।

कुंभ आज दिन कुंभ राशि वालों को अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना होगा।

कन्या व्यवहार में संयम व सावधानी बनाए रखना आपके लिए बेहद जरूरी है।

मीन आज का दिन आज का दिन आर्थिक रूप से लाभदायक रहने वाला है। व्यापार में उठाया गया।

विशेष

प्रबंधन का चुनाव, भाजपा की सरकार ही बनेगी बिहार में

बिहार का यह विधानसभा चुनाव पूरी तरह से प्रबंधन पर आधारित है। राजनीतिक दल जाति आधार पर अपनी जीत पक्की मान रहे हैं। भाजपा चुनाव आयोग के भरोसे है। चुनाव आयोग के जरिए जो विसात भाजपा ने बिछाई है।उसमें एनडीए गठबंधन को पक्का विश्वास है।इस बार भाजपा का ही मुख्यमंत्री बनेगा। प्रबंधन के जरिए नितीश बाबू को सत्ता में रहते हुए ठिकाने लगा दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट एसआईआर के बारे में कुछ कर नहीं पाई। तारीख पर तारीख मिलती रही।वोट चोरी के आरोप में बिहार आंदोलित हुआ। लेकिन कोई परिणाम देखने नहीं मिले। बिहार में होगा वही, जो चुनाव आयोग और भाजपा चाहेगी। यह लोग कहने लगे हैं। यह प्रबंधन का चुनाव है।

बिहार विस चुनाव में बाहरी बना मुद्दा

बिहार के विधानसभा चुनाव में इस बार बिहारी और गुजराती का मुद्दा चुनाव में मतदाताओं को प्रभावित कर रहा है? बिहार की सत्ता में इस समय गुजराती ठेकेदारों का कब्जा है।1 रुपए में अदानी को हजारों एकड़ जमीन दे दी गई है। बिहार के लोग मजदूरी करने के लिए दक्षिण भारत और गुजरात जाते हैं।बिहार में रोजगार और औद्योगिक संस्थान नहीं खुल रहे हैं।भ्रष्टाचार चरम पर है।तेजस्वी यादव ने इसे बिहारी बनाम गुजराती बना दिया है। बिहार में यह नारा तेजी से मतदाताओं को प्रभावित कर रहा है। चुनाव में इसका कितना प्रभाव पड़ेगा। इसको लेकर अटकलों का नया दौर शुरू हो गया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1567: फ्रांस में दूसरा धर्मयुद्ध भड़का। 1618: इंग्लैंड में सर वाल्टर कैले को मौत के घाट उतार दिया गया। 1656: ब्रिटिश खगोलशास्त्री एडमंड हैली का जन्म। 1740: स्काटिश लेखक जेम्स यासवेल का जन्म। 1888: स्वेज नहर समझौते पर हस्ताक्षर हुए। 1923: तुर्की गणराज्य बना। 1920: जामिया मिलिया इस्लामिया की स्थापना हुई। 1929: न्यूयार्क शेयर बाजार में भारी गिरावट के बाद मंदी का दौर शुरू हुआ। 1956: इजरायली सैनिकों ने सिनाई प्रायद्वीप पर हमला किया। 1957: क्यूबा का संविधान निलंबित कर दिया गया। 1962: अमरीका ने क्यूबा की नाकेबंदी समाप्त कर दी। 1964: बोलाविया ने चेकोस्लोविया से राजनयिक संबंध तोड़ लिए। 1972: फिलीस्तीनी छापामारों ने जर्मन विमान का अपहरण कर अपने तीन साथियों को रिहा कराया।

दैनिक पंचांग

29 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.30 ब.से
चंद्र	मकर में	धनु	09.46 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.51 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.38 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.11 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	16.41 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.21 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.20 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.33 बजे से
राहुकाल		सिंह	00.49 बजे से
12.00 से 1.30		कन्या	03.01 बजे से
बजे तक		तुला	05.12 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 302 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 09.24 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 17.30 बजे को समाप्त।
योग धृति 07.51 बजे को समाप्त।
करण वणिज 09.24 बजे तदनन्तर विष्टि 21.51 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 07.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 13° 28'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872512
जूलियन दिन 2460977.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल
तारीख 06
विशेष जलाराम बापा जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

धनबाद पुलिस के हाथों चढ़े बिहार के अपराधी, दुकानों की रहे थे रेकी

धनबाद, एजेंसी। धनबाद पुलिस ने सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय डकैती गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। डीएसपी (लॉ एंड ऑर्डर) नौशाद आलम ने बताया कि त्योहारों के दौरान विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्ध अवस्था में दो युवकों को बाइक सहित रोका। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम दिलीप यादव और अजय कुमार बताया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और एक फर्जी नंबर प्लेट बरामद की गई। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि गिरफ्तार दोनों आरोपी बिहार के मोतिहारी जिले के निवासी हैं। दोनों पर बिहार के मोतिहारी और अररिया जिलों में डकैती के कई मामले दर्ज हैं। ये पहले भी जेल जा चुके हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे धनबाद में कई आभूषण दुकानों की रेकी कर रहे थे। जल्द ही बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। पुलिस के अनुसार, ये आरोपी पहले इलाके में व्यापारियों की गतिविधियों पर नजर रखते हैं और फिर रात के समय डकैती की योजना को अमल में लाते हैं। दोनों ने यह भी बताया कि उनके गिरोह के कुछ सदस्य अभी बिहार में सक्रिय हैं। वे हथियार और वाहनों की सप्लाई का काम करते हैं। डीएसपी नौशाद आलम ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों के मोबाइल फोन और संपर्क सूत्रों की जांच की जा रही है। पुलिस को शक है कि इस गिरोह के तार झारखंड के अन्य जिलों और बिहार के सीमावर्ती इलाकों तक फैले हैं। पुलिस ने आरोपियों के कबूलनामे के आधार पर कुछ ठिकानों पर छापेमारी भी शुरू कर दी है। वहीं, धनबाद पुलिस ने दावा किया है कि इस कार्रवाई से त्योहारों के दौरान शहर में बड़ी वारदात को टाला जा सका। डीएसपी ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि अपराधियों पर शीघ्र कार्रवाई की जा सके।

सड़क हादसे में पति की मौत, पत्नी घायल, गुमला में रिश्तेदार के यहां से लौट रहे थे घर

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के किरतो बेंदोरा के पास सड़क हादसे में 45 वर्षीय बसंत महतो की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी पकली देवी (42) गंभीर रूप से घायल हो गईं। जानकारी के अनुसार, बसंत महतो अपनी पत्नी के साथ बाइक से लौट रहे थे। तभी अचानक सड़क पर एक मवेशी बैल आ गया। बैल को बचाने की कोशिश में उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत दोनों को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चैनपुर पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बाद दोनों को गुमला लाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही बसंत महतो की मौत हो गई। उनकी पत्नी पकली देवी का इलाज फिलहाल गुमला सदर अस्पताल में चल रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। मृतक बसंत महतो और उनकी पत्नी पकली देवी डुमरी थाना क्षेत्र के हुंटार बरटोली गांव के निवासी थे। वे तीन दिन पहले अपने रिश्तेदारों के घर भैया दूज मनाने गए थे। घर लौटते वक्त यह हादसा हो गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलने पर चैनपुर थाना के एसआई बिनय कुमार महतो दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के भाई अरुण महतो ने बताया कि बसंत बेहद मिलनसार व्यक्ति थे और खेती-किसानी से परिवार का भरण-पोषण करते थे। उन्होंने प्रशासन से परिवार को आर्थिक सहायता और मुआवजा देने की मांग की है।

सारंडा में आईईडी विस्फोट में 10 साल की बच्ची की मौत, सियाल पत्ता चुनने जंगल गई थी मासमू

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के जराईकेला थाना क्षेत्र के सारंडा जंगल से मंगलवार को एक दर्दनाक घटना हो गई. सियाल पत्ता चुनने गई एक 10 वर्षीय बच्ची की नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई. मिली जानकारी के अनुसार, दीघा गांव निवासी जय मासी हेरेंज की बेटी सिरिया हेरेंज (10 वर्ष) मंगलवार सुबह करीब 9 बजे जंगल में सियाल पत्ता चुनने गई थी. इस दौरान वह अनजाने में नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाए गए आईईडी विस्फोटक के संपर्क में आ गई. विस्फोट इतना जबरदस्त था कि बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई और उसके पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए.घटना की सूचना मिलते ही जराईकेला थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और बच्ची के शव को जंगल से बरामद करने की प्रक्रिया शुरू की. पुलिस अधीक्षक अमित रेणु ने इस घटना की पुष्टि की है. उन्होंने कहा कि नक्सलियों के द्वारा इस तरह की कायराना हरकत की गई है, जिससे जंगल के गांव के ग्रामीणों को नुकसान उठाना पड़ रहा है. मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरे इलाके में सुरक्षाबलों को अलर्ट कर दिया गया है।

झारखंड के 6 जिलों में 93 साल बाद शुरू हुआ भूमि सर्वे, विभाग के नियमों की जमकर उड़ रही धज्जियां

हजारीबाग (आरिफ), एजेंसी। हजारीबाग प्रमंडलीय बंदोबस्त कार्यालय के अधीन छह जिलों- चतरा, कोडरमा, गिरिडीह, रामगढ़, बोकारो और हजारीबाग के 7070 से अधिक गांवों में भूमि सर्वेक्षण और दस्तावेज तैयार करने का काम तय है। वर्ष 1932 के बाद करीब 93 साल के लंबे अंतराल में दोबारा सर्वेक्षण और दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई है, लेकिन यह काम अब तक अधूरा है। लंबित कार्यों को पूरा करने के लिए हाल में कर्मियों को नये सिरे से जिम्मेदारी दी गई है।

राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग (भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय) द्वारा दो सितंबर 2025 को जारी आदेश पत्र के आधार पर यह कार्य आवंटन किया गया। विभागीय सूत्रों के अनुसार, इस सूची में कुछऐसे कर्मचारी भी शामिल हैं जिन पर पहले से विभागीय जांच चल रही है। वहीं, कई दैनिक कर्मियों का हाल के वर्षों में ही नियमितीकरण हुआ है, जिनके पास अनुभव की कमी है। बताया गया है कि कई जगह विभागीय नियमों की अनदेखी करते हुए चार निम्नवर्गीय लिपिक और पांच से अधिक परिमाप निरीक्षकों को पेशकार और सर्वेयर की भूमिका दे दी गई है। एमजीएम अस्पताल में प्रतिदिन मरीजों की संख्या बढ़ रही है। जिसके कारण गाड़ियों की संख्या भी बढ़ रही है अभी मरीज के परिजनों द्वारा अस्पताल के अंदर में ही बाइक व अन्य वाहन लगा दिये जा रहे हैं, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। एमजीएम अस्पताल में प्रतिदिन मरीजों की संख्या बढ़ रही है। जिसके कारण गाड़ियों की संख्या भी बढ़ रही है अभी मरीज के परिजनों द्वारा अस्पताल के अंदर में ही बाइक व अन्य वाहन लगा दिये जा रहे हैं, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

घाटशिला उपचुनाव में कौन किस पर भारी चलेगा तीर या खिलेगा

रांची, एजेंसी। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में दोनों प्रमुख घटक दलों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए भी यह सीट चुनौती से कम नहीं है और भाजपा गठबंधन हर हाल इस सीट पर जीत दर्ज करना चाह रही है।

दोनों कुनबों के नेता यहां कैंप कर रहे हैं। पर, असल सवाल सबके जेहन में यही है कि तीर निशाने पर लगेगा या खिलेगा कमल

चूंकि घाटशिला सीट पर मतदाताओं का गणित उलझन में डालने वाला है। यहां करीब 45 प्रतिशत आदिवासी और 45 प्रतिशत ओबीसी मतदाता हैं। इनमें बंगाली भाषी और कुड़मी समुदाय की संख्या विशेष रूप से प्रभावशाली है, जबकि शेष मतदाता सामान्य और अल्पसंख्यक वर्ग से आते हैं।

कुड़मी-कुरमी मतदाताओं की संख्या यहां करीब 15 से 20 हजार के बीच कही जा रही है और पिछली बार चुनाव में देखें तो झामुमो प्रत्याशी रामदास सोरेन भाजपा प्रत्याशी को 22, 446 मतों से चुनाव में पटकनी देने में कामयाब हो गए थे। रामदास सोरेन 98356 मत लाकर यहां से तीसरी बार विधायक बने थे।

रामदास सोरेन के आकस्मिक निधन से खाली हुई इस सीट पर अब उने बेटे सोमेश चंद्र सोरेन मैदान में हैं और भाजपा की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन ताल ठोंक रहे हैं।

दोनों ही संताल समाज से आते हैं। इसलिए इसकी संभावना है कि आदिवासी मत दोनों तरफ जाएगा। भाजपा के अपने सहयोगी लोजपा के सहारे चार प्रतिशत दलित मतों को साथ लाने की कोशिश में हैं।

झामुमो गठबंधन के मुस्लिम मंत्री भी अल्पसंख्यक मतों को अपने पाले में लाने के लिए लगे हैं। लेकिन भाजपा आदिवासी मतों के अलावा कुड़मी, पिछड़ी और अन्य दलित मतों पर नजर रख रही है।

चंपाई के गहरे मित्र विद्युतवरण महतो की भी इस क्षेत्र में काफी पकड़ है। वे तीन बार से जमशेदपुर लोकसभा के सांसद भी हैं। अभी मामला दो के बीच है लेकिन कुल 13 प्रत्याशियों के बीच चुनाव को त्रिकोणात्मक बनाने की कोशिश भी की जा रही है।

कुड़मी-कुरमी की एसटी में शामिल करने की मांग और आदिवासी का नकार इस चुनाव में क्या गुल खिलाएगा, यह परिणाम ही बताएगा। देखना है कि 300 बूथों पर 255823 मतदाता किसी करवट लेंगे भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन अपने पिछले 75910 मतों से आगे बढ़ेंगे या नहीं

भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी, चंपाई सोरेन, आदित्य साहू भानु प्रताप शाही, नवीन जायसवाल आदि प्रचार में लगे हैं। अभी हेमंत सोरेन व कल्पना सोरेन ने चुनावी सभा को संबोधित नहीं किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का कहना है कि घाटशिला में मतदाता राज्य सरकार को सबक सिखाएंगे। झूठे वादे करने वाली सरकार को उपचुनाव में जनता जबाव देगी। पर, इस उपचुनाव में कुड़मी समुदाय को एसटी दर्जा देने की मांग को अनदेखा नहीं किया जा सकता।

आदिवासी संगठनों के विरोध के चलते यह विवाद झामुमो के परंपरागत वोट बैंक को नुकसान पहुंचा सकता है। कुड़मी की मांग के सवाल पर दोनों पक्ष-विपक्ष के मुखिया चुप हैं। पर, क्या मतदाता भी खामोशी से अपना फैसला सुनाएंगे

गढ़वा में ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौके पर एक की मौत

गढ़वा, एजेंसी। गढ़वा जिले में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। गढ़वा-पलामू फोरलेन पर हूर चहल गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार तीन लोगों को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें दो की मौत हो गई। एक नौ वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतकों की पहचान डुमरिया गांव निवासी गणेश बैठा (55) और मेराल थाना क्षेत्र के तैनार गांव निवासी छोटू रजक (27) के रूप में हुई है।

घायल बच्ची अंजली कुमारी, छोटू रजक की पुत्री बताई गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीनों लोग एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर गढ़वा बाजार में खरीदारी करने आ रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को रौंद दिया। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े।

मौके पर एक की मौत, अस्पताल में दूसरे ने तोड़ा दम : स्थानीय लोगों ने तत्काल सभी घायलों को गढ़वा सदर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद गणेश बैठा को मृत घोषित कर दिया, जबकि छोटू रजक और उसकी बेटी अंजली को गंभीर स्थिति में भर्ती किया गया। बाद में छोटू रजक को बेहतर इलाज के लिए पलामू रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

अंजली कुमारी का इलाज गढ़वा सदर अस्पताल में जारी है। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है।

गुस्साए ग्रामीणों ने फोरलेन जाम किया : हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने गढ़वा-पलामू फोरलेन को जाम कर दिया। दोषी ट्रक चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। सूचना मिलने पर गढ़वा थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर जाम समाप्त कराया। ग्रामीणों का कहना है कि फोरलेन पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

जमशेदपुर में खड़ी कार धू-धूकर जली, चौंका रही 7 दिन में तीसरी ऐसी घटना

जमशेदपुर, एजेंसी। सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के भुइयाडीह कान्हु भट्ठा में सोमवार अहले सुबह एक कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते कार धू-धूकर जल उठी। घटना झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नेता सोनू सिंह के घर के पास हुई, जहां उनकी चारपहिया गाड़ी खड़ी थी। घटना सोमवार तड़के लगभग चार बजे की बताई जा रही है। उस समय परिवार के सभी सदस्य घर के अंदर सो रहे थे। अचानक किसी स्थानीय व्यक्ति ने गाड़ी में आग की लपटें उठती देखी और सोनू सिंह को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिवार और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने बालू और पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेज थी कि गाड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो गई। इसके बाद सिदगोड़ा थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और अग्निशमन विभाग को इसकी जानकारी दी। दमकल कर्मी मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने में जुट गए। हालांकि, आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक रूप से शॉर्ट सर्किट या किसी असामाजिक तत्व की शरारत की संभावना से इंकार नहीं किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बीते सात दिनों के भीतर जमशेदपुर में कार में आग लगने की यह तीसरी घटना है। इससे पूर्व सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के न्यू बारीडीह और सोनारी क्षेत्र में भी इसी तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से वाहन मालिकों में चिंता व्याप्त है।

चाईबासा में पुलिस-ग्रामीणों में हिंसक भिड़ंत, शहर के बाईपास में भारी वाहनों के नो-एंट्री की है डिमांड, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

चाईबासा, एजेंसी। चाईबासा में सोमवार देर रात नो-एंट्री के लिए चल रहा आंदोलन हिंसक हो गया। तांबो चौक पर पुलिस और ग्रामीणों के बीच जबरदस्त झड़प हुई। प्रदर्शनकारी ग्रामीण लंबे समय से एनएच-220 और चाईबासा बाईपास पर दिन के समय भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इन वाहनों की तेज रफ्तार से आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं, जिनमें अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है।

सोमवार को सैकड़ों ग्रामीण परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा के आवास का घेराव करने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें तांबो चौक पर ही रोक दिया। इसके बाद भीड़ ने वहीं धरना शुरू कर दिया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी करने लगी।

शाम तक चला धरना, रात में भड़की हिंसा

ग्रामीणों ने तांबो चौक पर ही शाम तक धरना जारी रखा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने वहीं खाना बनाया, नृत्य-गान किया और प्रशासन के खिलाफ आवाज बुलंद की। जैसे-जैसे रात बढ़ती गई, भीड़ का जोश और बढ़ता गया। देर रात पुलिस ने जब आंदोलनकारियों को हटाने की कोशिश की, तो स्थिति अचानक बिगड़ गई। नाराज ग्रामीणों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। जवाब में पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। इस बीच सदर एसडीपीओ की स्कॉर्पियो गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर भगदड़ मच गई और पूरे इलाके में अफरा-तफरी फैल गई। हालांकि किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है, लेकिन कई लोगों को हल्की चोटें आईं।

स्थिति नियंत्रण में आया पर तनाव बरकरार

झड़प के कारण कुछ घंटों तक मुख्य मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप रही। देर रात पुलिस ने हालात पर काबू पाया और सड़क खाली कराई। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है, लेकिन किसी अप्रिय घटना से बचाव के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। उधर, ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक दिन के समय भारी वाहनों की एंट्री पूरी तरह बंद नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

कोडरमा में छठ पूजा के दौरान तालाब में डूबा:अर्घ्य देने के दौरान फिसला, गहरे पानी में जाने से हुई मौत, पसरा मातम

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले में छठ पूजा के दौरान अर्घ्य देने के क्रम में एक व्यक्ति की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना कोडरमा थाना क्षेत्र के चिगलाबर गांव स्थित कुंडा तालाब की है। मृतक की पहचान उमेश यादव (40 वर्ष) के रूप में हुई है। वह चिगलाबर गांव का रहने वाला था। जानकारी के अनुसार, छठ के अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए कुंडा तालाब पर पहुंचे थे। इसी दौरान उमेश यादव भी पूजा करने के लिए तालाब में उतरे। अर्घ्य देने के दौरान अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे गहरे पानी में डूबने लगे।

ग्रामीणों ने की बचाने की कोशिश, नहीं बच सकी जान : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उमेश यादव के डूबते ही आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया और उन्हें बचाने की कोशिश की। कई ग्रामीण तालाब में कूदे, लेकिन फिसलन अधिक होने और पानी गहरा होने के कारण वे उमेश को बाहर नहीं निकाल सके। देखते ही देखते उमेश

गहराई में समा गए।

कुछ ही देर में सूचना कोडरमा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया गया। खबर लिखे जाने तक शव को तालाब से बाहर नहीं निकाला जा सका था। घटना की जानकारी मिलते ही सैकड़ों लोग घाट पर जमा हो गए। माहौल गमगीन हो गया है।

पूरे गांव में पसरा मातम, प्रशासन की सावधानी की अपील: उमेश यादव की मौत की खबर जैसे ही गांव में फैली, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि उमेश यादव अपने परिवार के साथ हर साल छठ पूजा में भाग लेते थे और इस बार भी पूरे उत्साह के साथ व्रत कर रहे थे। इधर जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अर्घ्य देने के दौरान सतर्कता बरतें और बच्चों एवं बुजुर्गों को पानी की गहराई से दूर रखें।

चाईबासा में हिंसक हुआ नो-एंट्री आंदोलन, पथराव-लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागे

चाईबासा, एजेंसी। चाईबासा के तांबो चौक में सोमवार देर रात नो-एंट्री आंदोलन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जोरदार झड़प हो गई। ग्रामीणों ने पथराव किया, जिसके जवाब में पुलिस ने लाठीचार्ज किया और स्थिति को काबू में करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

घटना के दौरान सदर एसडीपीओ बाहमन टूटी की स्कॉर्पियो गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। बताया गया कि प्रदर्शनकारी एनएच-220 और चाईबासा बाईपास सड़क पर दिन के समय भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे।

ग्रामीणों का कहना है कि इन सड़कों से दिन के समय गुजरने वाले भारी वाहनों के कारण लगातार सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे कई लोगों की जान जा चुकी है। सोमवार को सैकड़ों ग्रामीण परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा के आवास का घेराव करने जा रहे थे। पुलिस प्रशासन ने उन्हें तांबो चौक पर रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी वहीं धरने पर बैठ गये।

देर शाम वहीं चूल्हा जलाकर भोजन पकाया। नृत्य गान भी किया। इस बीच पुलिस ने उन्हें जबरन उठाना चाहा तो भीड़ भड़क उठी और सरकार एवं प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। देखते ही देखते प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर धरना शुरू कर दिया।

स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने समझाने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारियों के उग्र हो जाने पर पथराव शुरू हो गया। जवाब में पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। लाठीचार्ज के साथ-साथ आंसू गैस के गोले छोड़े गए ताकि भीड़ को तितर-बितर किया जा सके। कई लोग हल्के रूप से घायल हुए हैं, हालांकि किसी गंभीर चोट की सूचना नहीं है।झड़प के दौरान कुछ देर के लिए मुख्य मार्ग पर वाहनों की आवाजाही ठप रही।

पलामू में पुलिस ने पकड़े चार अफीम तस्कर, फर्जी नंबर प्लेट लगी कार से कर रहे थे तस्करी की कोशिश

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चार अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया है। ये सभी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं और अफीम की खरीददारी के लिए पलामू आए थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मेदिनीनगर से पांकी की ओर एक संदिग्ध सफेद इरिटिगा कार (नंबर जे एच 01एफ वी4879) जा रही है। सूचना के आधार पर बैरिया मोड़ के पास वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान जब कार को रोका गया तो उसमें चार लोग सवार थे। गाड़ी की तलाशी लेने पर पता चला कि उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी है। कार से असली नंबर प्लेट (यूपी25ईएल3625) बरामद की गई, जिससे तस्करों की साजिश का पर्दाफाश हो गया।

ऑनलाइन माध्यम से भेजे थे आठ लाख रुपए

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने चौंकाने वाला

खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वे पिपराटांड और चतरा क्षेत्र के तस्करों से अफीम खरीदने आए थे। इसके लिए उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से करीब आठ लाख रुपए अग्रिम भुगतान किया था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फिरोज अहमद अंसारी (39) और इरफान (31), दोनों निवासी एजाज नगर, बरेली, तथा शाहनवाज (28) और अभय प्रताप सिंह (40), निवासी बदायूं, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन, 30 हजार रुपए नकद और इरिटिगा कार को जब्त कर लिया है। पूछताछ के बाद चारों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

लंबे समय से तस्कर इलाके में थे एक्टिव

इस पूरे मामले में लेस्लीगंज थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई की। टीम में सहायक उप-निरीक्षक जितेंद्र कुमार, रिजर्व गार्ड और चालक भी शामिल थे। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह लंबे समय से अफीम तस्करी के धंधे में सक्रिय था। झारखंड के विभिन्न जिलों से मादक पदार्थों की खरीददारी कर उत्तर प्रदेश में सप्लाई करता था। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि अफीम की आपूर्ति किसके माध्यम से की जा रही थी। लेस्लीगंज थाना में इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

द रॉयल अटलांटिस

यहां गेस्ट्स को दिए जाते हैं सोने की कंघी-ब्रश

दुबई के पाम जुमेराह आइलैंड पर अटलांटिस द रॉयल नामक लग्जरी रिसॉर्ट बनाया गया है। इस रिसॉर्ट के नाम के साथ विश्व का मोस्ट अल्ट्रा लग्जरी एक्सपीरियंसल रिसॉर्ट का तमगा जुड़ा हुआ है। इस रिसॉर्ट की शुरुआत साल 2023 जनवरी में हुई थी। रिसॉर्ट को लग्जरी वेलनेस प्रोवाइड करने के मकसद से बनाया गया है।

लुई वितों, वेलेटिनो जैसे ब्रांड भी यहां

रिसॉर्ट 6 अलग-अलग टावरों से मिलकर बना है। प्रत्येक टावर कुछ मंजिलों के ब्लॉक जैसा नजर आता है। 43 मंजिला यह रिसॉर्ट करीब 178 मीटर ऊंचा है। इसमें 795 लग्जरी कमरे हैं। इसमें करीब 44 पेंट हाउस व सुइट्स बनाए गए हैं। इसके साथ ही 17 से ज्यादा रेस्तरां बनाए गए हैं। इस रिसॉर्ट में 90 स्विमिंग पूल भी है, जो रिसॉर्ट की भव्यता को दर्शाता है। रिसॉर्ट में लुई वितों, वेलेंटिनो और डोल्सी एंड गवाना जैसे मशहूर टेक्सटाइल ब्रांड भी नजर आते हैं। एंट्रेस प्वाइंट पर पानी पर केंद्रित कई इंस्टॉलेशन डिजाइन किए गए हैं।

100 साल पुराने ऑलिव पेड़ का उपयोग

इस रिसॉर्ट में 17 रेस्तरां है, जो इसे प्लेनेट का सबसे बड़ा सेलेब्रिटी रेस्तरां कलेक्शन बनाता है। इसके साथ ही यहां 18 वें व 19वें फ्लोर पर रॉयल मेंशन नामक प्रायवेट सुइट है। इस दो मंजिला लग्जरी सुइट में एक इनिफिनिटी पूल, पर्सनल थिएटर और लाइब्रेरी भी हैं। इसके प्रवेश द्वार को 100 साल पुराने ऑलिव पेड़ों से सजाया गया है। इस सुइट में 12-15 लोगों के रहने की व्यवस्था हो सकती है। यहां एक रात रुकने का किराया करीब 83 लाख रुपए है। यह दुनिया का सबसे महंगा लग्जरी सुइट बनाता है। यह सुइट करीब 11 हजार वर्गफीट में फैला हुआ है।

ज्वालामुखी के पत्थरों को सोने में डूबाकर देते हैं मसाज

यहां रॉयल कस्टमर्स के लिए हर्मीस द्वारा सोने के टूथब्रश, कंघी और रेजर बनाए गए हैं। रिसॉर्ट में 32 हजार वर्गफीट में वेलनेस एरिया है। यहां पर 24 कैरेट गोल्ड फेशियल और गोल्डन आवर मसाज आगंतुकों को दी जाती है। गोल्डन मसाज में ज्वालामुखी पत्थरों को सोने में डुबाया जाता है और सोने के अर्क वाले अरोमाथेरेपी ऑयल के साथ अरेबिक वेलनेस कल्चर के अनुसार शरीर पर मसाज की जाती है। यहां 3500 गैलन पानी से घिरी ग्लास लिफ्ट भी है और तीन मंजिला एक्वेरियम भी बनाया गया है, जिसमें 7200 समुद्री जीव है। एंट्रस पर 37 फीट ऊंची स्टेनलेस स्टील की प्रतिमा डॉप्लेट्स है, जो रेगिस्तान की धरती पर बारिश की पहली बूंद गिरने को दर्शाती है।

ओपनिंग के लिए पॉप स्टार बियांसे को बुलाया

दुबई तो वैसे भी अपनी लग्जरी लाइफ और अमीरी के लिए जाना जाता है. यहां बनी बुर्ज खलीफा इमारत दुनियाभर में फेमस है, लेकिन इस बार दुबई का नाम एक अल्ट्रा लग्जरी होटल-रिजॉर्ट को लेकर चर्चा में है. दुबई में खुला अटलांटिस रॉयल होटल में एक रात का जितना किराया लगता है, उतने में आप चमचमाती मर्सिडीज कार खरीद सकते हैं. इस अल्ट्रा लग्जरी रिजॉर्ट की ओपनिंग सेरिमनी के दौरान प्रस्तुति के लिए ग्रैमी अवार्ड विजेता अमेरिकी पॉप गायक बियांसे को बुलाया गया था.

सागरदा फैमेलियाः

141 साल से बन रहा स्पेन का ये चर्च, बनने के बाद होगा विश्व का सबसे ऊंचा चर्च

बार्सिलोना मेगा प्रोजेक्ट के तैयार होने में 2-4 साल का समय लगना तो आम बात है। लेकिन स्पेन के बार्सिलोना में एक ऐसी जगह है, जिस पर पिछले 141 सालों से काम चल रहा है। लेकिन अभी तक काम खत्म नहीं हुआ है। यह इमारत है सागरदा फैमिलिया नामक चर्च की। इस चर्च पर अभी भी काम चल रहा है। लेकिन फिर भी यह स्पेन के प्रमुख टूरिस्ट आकर्षणों में से एक है। साल 2026 तक इस चर्च का काम पूरा होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

सिविल वॉर और महामारी की वजह से प्रभावित हुआ काम

चर्च के बनने की शुरुआत 1882 में हुई थी। लेकिन कई कारणों से काम पूरा नहीं हो पाया। 1926 में एक चौथाई काम ही हुआ था कि काम पर पहला ब्रेक लग गया। क्योंकि इसके मुख्य आर्किटेक्ट एंटोनी गॉडी की मौत हो गई थी। साल 1939 में स्पेनिश सिविल वॉर की वजह से भी काम रुक गया। उस चर्च के मॉडल को नुकसान पहुंचाया था। चर्च के निर्माण कार्य से जुड़े 12 लोगों की जान भी गई थी। इसके बाद तानाशाह फांसिस्को फ्रेंको के शासनकाल में भी इसके निर्माण की प्रगति प्रभावित हुई। साल 2007 में स्पेनिश सरकार ने इस चर्च के नीचे से हाईस्पीड रेल परियोजना लॉन्च की, जिससे इसके बनने पर प्रश्नचिन्ह खड़े हो गए। बाद में काम कोरोना महामारी आने तक चला।

एक बुकसेलर को आया था इसे बनाने का विचार

इस भव्य चर्च को बनाने का विचार बुकसेलर जोसेप मारिया बोकेबेला को आया था। वे पवित्र परिवार को समर्पित एक स्थल बनाना चाहते थे। इस विशाल चर्च में कुल 18 टावर बनने हैं। इनमें से 12 टावर जीसस क्राइस्ट के शिष्यों को समर्पित होंगे। वहीं चार टावर प्रचारकों, एक वर्जिन मैरी व मुख्य टावर ईसा मसीह को समर्पित होगा। चर्च के तीन अग्रभाग ईसा मसीह के जन्म, मृत्यु और पुनर्जन्म को प्रदर्शित करेंगे। इस चर्च के बनने के बाद यह दुनिया का सबसे ऊंचा चर्च बन जाएगा। टावर ऑफ जीसस क्राइस्ट की ऊंचाई 565 फीट होगी और बाकी टावर 442 फीट ऊंचे बनने हैं। चर्च की लंबाई 295 फीट और चौड़ाई 196 फीट है। यह चर्च यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों की सूची में भी शामिल है। क्रिसमस के दिनों में इस चर्च में खास सजावट की जाती है।

क्या आप जानते हैं कि ऊंचे बादल 5-14 किमी की ऊंचाई पर बनते हैं और इसमें सायरस जैसे बादल शामिल होते हैं। मध्य ऊंचाई के बादल 2-7 किमी की ऊंचाई पर बनते हैं। वहीं, कम ऊंचाई के बादल धरती की सतह से 2 किमी की ऊंचाई तक बनते हैं, जैसे स्ट्रेटस और क्यूम्यलस। ऊंचे बादलों में तापमान बहुत कम होता है क्योंकि ये बर्फ के क्रिस्टल्स से बने होते हैं। जैसे-जैसे ये बादल नीचे आते हैं, पानी की बूंदों में बदलते जाते हैं।

100 हाथियों के बराबर होता है बादलों का वजन

क्या कभी आपका भी मन हुआ है कि बादलों के संग उड़ते फिरें। या रूई से हल्के, मुलायम, सफेद बादलों पर चढ़कर कहीं सैर पर निकल जाएं। खासकर हवाई जहाज़ के सफ़र में जब प्लेन बादलों के बीच से गुज़रता है, उस समय तो जानें कितने खयाल आते हैं। काश..खिड़की खोलकर इन बादलों पर कूद जाएं। या इन्हें एक बार छूकर ही देख लें। लेकिन अगर कोई बताएं कि इन सपनीले बादलों का वजन सौ हाथियों के बराबर होता है..तो क्या आप विश्वास करेंगे। बादल पानी की छोटी बूंदों या बर्फ़ के छोटे क्रिस्टल से बने होते हैं। इनमें मौजूद पानी की बूंदें और बर्फ़ के क्रिस्टल इतने छोटे होते हैं कि ज़मीन से सफ़ेद फुले हुए दिखाई देते हैं।बादल बनने की प्रक्रिया के बारे में तो ज़्यादातर लोगों ने पढ़ा ही है। धरती के पानी के भाप बनकर ऊपर उठने, ठंडी हवा में बदलने और छोटे-छोटे पानी के कणों में इकट्ठा होने का परिणाम हैं ये बादल। यह प्रक्रिया धरती के जल चक्र का हिस्सा है।

कितना होता है बादलों का वजन

बादलों का वजन बेहद दिलचस्प विषय है। आमतौर पर उनकी हल्की फूली आकृति हमें ये मानने पर मजबूर कर देती है कि बादल एकदम हल्के फुल्के होते होंगे। लेकिन वास्तविकता इससे बहुत अलग है। असल में बादलों का वजन बहुत अधिक होता है। औसतन, एक क्यूम्यलस प्रकार का बादल लगभग 1.1 मिलियन पाउंड (लगभग 450,000 किलोग्राम या 450 टन) वजन का होता है। इसे सरल शब्दों में समझें तो यह पृथ्वी पर लगभग 100 हाथियों या तीन विशालकाय ब्लू व्हेल के वजन के बराबर होता है। दिखने में हल्के लगने वाले इन बादलों का भारीपन उनकी अदृश्य भौतिक संरचना का प्रमाण है। वैज्ञानिक बादल के वजन का अनुमान लगाने के लिए उसके घनत्व और आकार का उपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए, एक साधारण क्यूम्यलस बादल में पानी की मात्रा लगभग 0.5 ग्राम प्रति घन मीटर होती है। यदि बादल 1 किलोमीटर लंबे, चौड़े, और ऊंचाई में हो, तो इसका कुल वजन 1.1 मिलियन पाउंड तक पहुंच सकता है। अब सवाल ये है कि बादलों के भारी होने के बावजूद वे आसमान में तैरते कैसे हैं। ये इसलिए संभव होता है क्योंकि गर्म हवा का प्रवाह और वायुमंडलीय दबाव बादलों को गिरने से रोकते हैं। इसके अलावा, जब बादलों में पानी की बूंदें आपस में मिलकर बड़ी हो जाती हैं तो वे आखिरकार बारिश या बर्फ के रूप में गिर जाती हैं।

क्यों हल्के नज़र आते हैं बादल

लौटते हैं बादलों के वजन पर। अगर बादल इतने भारी होते हैं तो हमें उनके हल्के होने का आभास क्यों होता है। ऐसा इसलिए है कि वो हमें आसमान में उड़ते नजर आते हैं। बादलों का घनत्व आसपास की हवा से कम होता है और वायुमंडलीय दबाव उन्हें सहारा देता है। बादलों का घनत्व हवा की तुलना में कम होने के कारण वे हवा से अधिक उत्प्लावन बल का अनुभव करते हैं। इसी कारण बादल अपने वज़न को संतुलित कर पाते हैं और आस-पास की हवा से दूर तक उड़ते रहते हैं। तो अगली बार जब भी आप आसमान की तरफ देखें और आपको बादल नज़र आएं तो याद करिएगा कि ये नर्म, मुलायम, सुंदर बादल असल में कितने भारी भरकम हैं।

क्या हैं क्यूम्यलस बादल

अब आपको क्यूम्यलस के बारे में बता दें। ये शब्द लैटिन भाषा से आया है, जिसका अर्थ है ढेर या संचित। बादल आमतौर पर सफेद, फूले हुए और किसी ढेर की तरह दिखते हैं। इनकी आकृति साफ-सुथरी और गोल, एक साथ ढेरी सारी होती है इसीलिए इनकी बनावट और संरचना के कारण इन्हें यह नाम दिया गया है। क्यूम्यलस बादल का आयतन करीब एक अरब घन मीटर होता है। अगर बादल के आयतन को पानी के घनत्व से गुणा किया जाए तो बादल का वज़न मिलता है। क्यूम्यलस बादलों के कई प्रकार होते हैं जैसे कि क्यूम्यलस ह्यूमिलिस, क्यूम्यलस मेडिओक्रिस, क्यूम्यलस कॉन्जेस्टस, क्यूम्यलस रेडिएटस, क्यूम्यलस विरगा, क्यूम्यलस पैनस, क्यूम्यलस आर्कस, क्यूम्यलस टुबा, क्यूम्यलस पाइलस और क्यूम्यलस वेलम। इन बादलों का वर्गीकरण उनकी ऊंचाई, घनत्व, बनावट और वातावरण में उनकी संरचना के आधार पर किया जाता है। हालांकि सारे बादलों को क्यूम्यलस नहीं कहा जाता है। इनके अलावा, बादल कई अन्य प्रकार के भी होते हैं जैसे कि स्ट्रेटोक्यूम्यलस, स्ट्रेटस, और क्यूम्यलोनिम्बस आदि।

यहां मौजूद है दुनिया की सबसे छोटी गली, गिनीज रिकॉर्ड में भी है शामिल

जब कभी भी हम गलियों का जिक्र करते हैं तो हमारे जहन में लंबी और घुमावदार सड़कों की तस्वीर सामने आती है जो हमारे गांवों और शहरों का एक अहम हिस्सा होती है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया में एक ऐसी भी गली हो सकती है जो इतनी छोटी हो कि उसमें से गुजरना मानो एक झटके में हो जाए। जी हां, आज हम आपको एक ऐसे ही गली के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है और जो दुनिया की सबसे छोटी गली मानी जाती है।

लंबाई मात्र 2.06 मीटर

दुनिया की सबसे छोटी गली ब्रिटेन में है। एबेनेजर प्लेस नाम की यह गली स्कॉटलैंड के कैथनेस के वीक में स्थित है। यह गली अपनी अनोखी लंबाई के कारण गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है, इसकी कुल लंबाई केवल 2.06 मीटर है। एबेनेजर प्लेस का केवल एक ही पता है, जो मैकेज होटल के हिस्से के रूप में नंबर वन बिस्ट्रो है।

दुनिया की सबसे छोटी गली का इतिहास

इस गली का निर्माण 1883 में हुआ था और इसे आधिकारिक तौर पर 1887 में गली का दर्जा दिया गया। स्थानीय परिषद ने होटल के छोटे किनारे को एक नई गली के रूप में मान्यता दी और श्री सिंकलेयर को इसका नाम रखने का निर्देश दिया। आपको बता दें, यह गली न केवल अपनी छोटी लंबाई के लिए जानी जाती है, बल्कि अपने ऐतिहासिक महत्व की कारण भी आकर्षण का केंद्र है।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया के अनगिनत अद्भुत और अनोखे रिकॉर्ड दर्ज किए जाते हैं जिसमें सबसे छोटी गली से लेकर सबसे बड़ी बिल्डिंग तक शामिल है। यह एक प्रतिष्ठित मंच है, जहां लोग अपने असाधारण कौशल उपलब्धियां या अनोखे कारनामों को दर्ज करवाने की कोशिश करते हैं। कई लोग इन रिकॉर्ड्स को तोड़ने और अपने नाम को अमर करने का प्रयास करते हैं, जिसमें कुछ सफल हो जाते हैं जबकि कई को असफलता का सामना भी करना पड़ता है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड आज भी लोगों के बीच एक बड़ा आकर्षण बना हुआ है।

2025 में तीसरी बार डिविडेंड देने जा रही धाकड़ डिफेंस कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। चर्चित डिफेंस कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी इस साल तीसरी बार डिविडेंड दे रही है। वहीं, चालू वित्त वर्ष का यह पहला अंतरिम डिविडेंड होगा। डिफेंस कंपनी ने सोमवार को तिमाही नतीजों का ऐलान किया था। मझगांव डॉक का रेवन्यू 6.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2929.24 करोड़ रुपये सितंबर तिमाही में रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 2756.83 करोड़ रुपये रहा था। जुलाई से सितंबर के दौरान मझगांव डॉक का नेट प्रॉफिट 749.48 करोड़ रुपये रहा था। जोकि सालाना आधार पर 28 प्रतिशत अधिक है। पिछले वित्त वर्ष कंपनी को इसी तिमाही में 585.08 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी ने एक शेयर पर 6 रुपये का डिविडेंड देने का ऐलान किया है। यह वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पहला अंतरिम डिविडेंड है। कंपनी ने डिविडेंड के लिए 4 नवंबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। वहीं, योग्य निवेशकों को 26 नवंबर से पहले डिविडेंड का भुगतान कर दिया जाएगा। इस साल कंपनी इससे पहले अप्रैल और सितंबर के महीने में एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब कंपनी ने एक शेयर पर क्रमश: 3 रुपये और 2.71 रुपये का डिविडेंड दिया था। सोमवार को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के शेयर 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 2810.15 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले एक साल में मझगांव डॉक के शेयरों की कीमतों में 38 प्रतिशत से अधिक की उछाल दर्ज की गई है। 5 साल में इस डिफेंस कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 3229 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

100 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। डेयरी प्रॉडक्ट्स इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट के शेयर सोमवार को ब्स्श्व में 20 पर्सेंट उछलकर 1081.35 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल सितंबर 2025 तिमाही के शानदार नतीजों के बाद आया है। कंसॉलिडेटेड बेसिस पर चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में हैटसन एग्रो को 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा हुआ है। हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1200 रुपये है। 73 प्रतिशत बढ़ा है कंपनी का मुनाफा हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में कंसॉलिडेटेड बेसिस पर 109.78 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर कंपनी का मुनाफा 73.13 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि के दौरान कंपनी को 63.41 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। हालांकि, तिमाही आधार पर कंपनी का मुनााफा 18.89 पर्सेंट घटा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी को 135.34 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। 2400 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा कंपनी का रेवेन्यू हैटसन एग्रो प्रॉडक्ट का रेवेन्यू चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 17.1 पर्सेंट बढ़कर 2427.59 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 2072.10 करोड़ रुपये था। हालांकि, तिमाही आधार पर कंपनी का रेवेन्यू 6.3 पर्सेंट घटा है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 2590.28 करोड़ रुपये था। सितंबर 2025 तिमाही में टैक्स भुगतान से पहले कंपनी का मुनाफा 147.53 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले टैक्स भुगतान से पहले कंपनी का प्रॉफिट 68.6 पर्सेंट बढ़ा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का टैक्स भुगतान से पहले प्रॉफिट 87.50 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में कंपनी के टोटल एक्सपेंसेज सालाना आधार पर 14.7 पर्सेंट बढ़कर 2284.32 करोड़ रुपये रहे हैं। तिमाही आधार पर कंपनी के एक्सपेंसेज 5.2 पर्सेंट घटे हैं।

मक्का को पक्का कर दबाव बनाने की सोच रहे ट्रंप

भारत के इथेनॉल मार्केट पर अमेरिका की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिका ने रूस की तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर जो प्रतिबंध लगाए हैं, उनसे भारत अब रूसी कच्चा तेल खरीदना कम कर सकता है। अमेरिका का कहना है कि इस तेल से मिले पैसे से रूस, यूक्रेन में युद्ध लड़ रहा है। लेकिन अमेरिका अभी भारत पर और भी दबाव बनाने की सोच रहा है। ब्लूमबर्ग के अनुसार चीन के साथ व्यापारिक मसलों को सुलझाने के बाद अमेरिका अब भारत के ऊर्जा बाजार में भी अपनी पैठ बनाना चाहता है।

भारत अमेरिका से चाहता है कि वह अपने यहां आयात होने वाले सामानों पर लगने वाले 50 प्रतिशत टैक्स को कम कर दे। इसके बदले में अमेरिका भारत के ऊर्जा बाजार में अपनी जगह बनाना चाहता है। कुछ मांगें ऐसी हैं जिन्हें भारत आसानी से मान सकता है। जैसे भारत की सरकारी तेल कंपनियां अब मिडिल ईस्ट के देशों से एलपीजी (लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस) खरीदने की बजाय अमेरिका से ज्यादा एलपीजी खरीदना चाहती हैं। भारत इस व्यापारिक समझौते को पक्का करने के लिए अमेरिका से एलपीजी पर लगने वाले टैक्स को पूरी तरह खत्म करने को भी तैयार है।

लेकिन मामला यहां हो जाएगा मुश्किल

लेकिन जब अमेरिकी बातचीत करने वाले भारत के बायोएनर्जी बाजार को खोलने की

कोशिश करेंगे, तो मामला थोड़ा मुश्किल हो जाएगा। भारत हर साल पेट्रोल में 10 अरब लीटर इथेनॉल मिलाता है। यह इथेनॉल अमेरिका के मिडवेस्ट में उगाई जाने वाली मक्के की फसल का एक बड़ा हिस्सा इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिका में ज्यादातर बायोइथेनॉल मक्के से ही बनता है।

जैसे-जैसे भारत में गाड़ियों की संख्या बढ़ेगी साल 2050 तक इथेनॉल की यह मांग दोगुनी होने की उम्मीद है। ऐसे में अमेरिका यह नहीं चाहता कि इतने बड़े बाजार में उसकी पहुंच न हो। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि ने अपनी साल 2025 की रिपोर्ट में कहा है कि इथेनॉल को पेट्रोल में मिलाने के बड़े लक्ष्यों के बावजूद भारत ईंधन के तौर पर इथेनॉल के आयात पर रोक लगाता है।

मजबूत स्थिति में पहुंचा अमेरिका: ट्रंप के ट्रेड वॉर ने अमेरिका को बातचीत में एक मजबूत स्थिति में ला दिया है। अब जब चीन और अमेरिका दुर्लभ खनिजों के निर्यात और बंदरगाह शुल्क जैसे मसलों पर अपने मतभेद सुलझाते दिख रहे हैं, तो भारत और ब्राजील ही दो बड़े उभरते हुए देश हैं जिन पर सबसे ज्यादा टैरिफ का बोझ है। भारत से कपड़े, घर की सजावट का सामान, झींगा, र प्रतिशत और गहने जैसे श्रम-आधारित निर्यात अमेरिका जैसे अपने सबसे बड़े बाजार में लगभग बंद हो गए हैं।

क्या चाहता है भारत: भारत की इच्छा है कि अमेरिका भी जवाबी तौर पर 20 प्रतिशत या उससे कम का टैरिफ लगाए और यह समझौता जल्द से जल्द हो जाए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो भारतीय निर्यातक दक्षिण पूर्व एशिया के अपने प्रतिद्वंद्वियों से और पिछड़ जाएंगे।

मोदी के सामने कई चुनौतियां: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बायोफ्यूल (जैविक ईंधन) के मामले में कोई भी रियायत देने से हिचकिचाएंगे। क्योंकि उन्हें इस मामले में दो तरह से विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

1. गाड़ी मालिकों का विरोध: एक तो गाड़ी चलाने वाले लोग सरकार के इथेनॉल मिलाने के सख्त नियमों से खुश नहीं हैं। पुरानी गाड़ियों के मालिक, जिन्हें 80-20 (80 प्रतिशत पेट्रोल और 20 प्रतिशत इथेनॉल) के मिश्रण के लिए डिजाइन नहीं किया गया था, वे इंजन की कम क्षमता और बढ़ते रखरखाव के खर्चों की शिकायत कर रहे हैं। हालांकि सरकार ने जनता को आश्वासन दिया है कि प्रदर्शन पर इसका असर बहुत कम और ठीक करने लायक है।

2. किसानों का विरोध: असली विरोध ग्रामीण इलाकों से आएगा। भारत के बायोफ्यूल कार्यक्रम का एक मकसद किसानों के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत पैदा करना भी है। अनुमानों के मुताबिक गन्ने के रस, शीरे, मक्का, धान की पराली, कपास के डंठल और बांस जैसी चीज़ों को इथेनॉल बनाने वालों को बेचकर किसानों को करीब 1.18 लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। ऊर्जा उत्पादक के तौर पर थोड़ी सफलता का स्वाद चखा है, तो वे विदेशी प्रतिस्पर्धा के आगे अपनी कमाई नहीं छोड़ना चाहेंगे। वे ऐसे किसी भी व्यापार समझौते का विरोध कर सकते हैं।

क्या मोदी उठाएंगे जोखिम

11 साल से ज्यादा समय से मोदी भारत की राजनीति पर हावी रहे हैं। उनकी आर्थिक नीतियों और कार्यक्रमों का ज्यादा विरोध नहीं हुआ है- सिवाय किसानों के। किसानों ने ही उन्हें एक नहीं, बल्कि दो बार कानून वापस लेने पर मजबूर किया है। साल 2027 तक उत्तर भारत के प्रमुख अनाज उगाने वाले राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में वे ट्रंप के साथ ऐसा व्यापार समझौता करके किसानों को नाराज करने का जोखिम नहीं उठाएंगे।

टाटा से निकल गया कांटा! रतन टाटा के करीबी मेहली मिस्त्री की विदाई तय

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश के सबसे औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में मैज्योरिटी हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट्स में बड़ा उलटफेर हुआ है। दिवंगत रतन टाटा के करीबी माने जाने वाले मेहली मिस्त्री को ट्रस्ट से हटाया जा सकता है। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा, वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और ट्रस्टी विजय सिंह ने मेहली मिस्त्री के कार्यकाल को आगे बढ़ाने की मंजूरी नहीं दी है। सूत्रों के मुताबिक इससे टाटा के इन बड़े चैरिटेबल संस्थानों में उनका सफर खत्म हो जाएगा।

मिस्त्री के कार्यकाल को बढ़ाने के खिलाफ तीन ट्रस्टियों ने वोट दिया है। यह फैसला दोनों अहम ट्रस्टों में बहुमत से लिया गया है। सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट मिलकर टाटा संस में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। वहीं टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टियों में नोएल टाटा, वेणु श्रीनिवासन, विजय सिंह, मेहली मिस्त्री, प्रमित झावेरी और डेरियस खंबाटा शामिल हैं। सर रतन टाटा ट्रस्ट में नोएल

टाटा, वेणु श्रीनिवासन, विजय सिंह, जिमी टाटा, जहांगीर एचसी जहांगीर, मेहली मिस्त्री और डेरियस खंबाटा ट्रस्टी हैं।

चूंकि मेहली मिस्त्री अपने कार्यकाल को बढ़ाने के फैसले पर वोट नहीं कर सकते, इसलिए एसडीटीटी में उनके खिलाफ बहुमत है। एसडीटीटी में भी जिमी टाटा आमतौर पर ट्रस्ट की बैठकों में हिस्सा नहीं लेते हैं, इसलिए वहां भी उनके खिलाफ बहुमत है। यह एक अजीब संयोग है कि मेहली मिस्त्री को उसी अक्टूबर महीने में हटाया जा रहा है, जिस महीने 2016 में उनके चचेरे भाई साइरस मिस्त्री को टाटा संस के चेयरमैन पद से हटाया गया था।

सूत्रों ने बताया कि तीन ट्रस्टियों ने गुरुवार देर रात और शुक्रवार सुबह अपना फैसला बताया। मिस्त्री के तीन साल के कार्यकाल को बढ़ाने का प्रस्ताव टाटा ट्रस्ट्स के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा ने पिछले शुक्रवार को रखा था। ट्रस्टी डेरियस खंबाटा, प्रमित झावेरी और जहांगीर जहांगीर ने पहले ही अपनी सहमति दे दी थी। लेकिन बाकी लोगों की सहमति न मिलने के कारण मिस्त्री का पत्ता कट गया। यह टाटा समूह के लिए एक और अक्टूबर का उथल-पुथल भरा महीना साबित हुआ है।

टाटा ट्रस्ट्स में, ट्रस्टियों की नियुक्ति और अन्य फैसले परंपरा के अनुसार सर्वसम्मति से होते आए हैं। लेकिन 11 सितंबर को इस परंपरा को तोड़ा गया। यह तब हुआ जब लंबे समय से ट्रस्टी रहे रतन टाटा के निधन के करीब एक साल बाद ट्रस्टियों ने बहुमत से पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह को टाटा संस के बोर्ड में एक नॉमिनी डायरेक्टर के पद से हटाने का फैसला किया। इस घटना ने देश भर का ध्यान भारत के सबसे प्रतिष्ठित सार्वजनिक ट्रस्टों के अंदरूनी झगड़ों की ओर खींचा।

सोना सस्ता, करीब 10,000 टूटा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्ड की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। आज 28 अक्टूबर को इंटरनेशनल मार्केट में सोने का भाव 4000 डॉलर प्रति आउंस के नीचे आ गया है। वहीं, घरेलू बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। चांदी की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली है। शादियों के सीजन शुरू होने से पहले सोने और चांदी का भाव कम होने से लोगों ने राहत की सांस ली है। 27 अक्टूबर की शाम को 24 कैरेट गोल्ड का रेट लुढ़ककर 121077 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया था। इससे पहले कल 12 बजे यह 122402 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था। यानी महज कुछ ही घंटों में सोने का भाव 1325 रुपये तक सस्ता हो गया। चांदी की बात करें तो यह सोमवार को 2999 रुपये और सस्ती हो गई। एक किलोग्राम चांदी का रेट कल सोमवार की शाम को 1,45,031 रुपये था। इससे पहले सोमवार की सुबह चांदी 1,48030 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रही थी। 17 अक्टूबर को 24 कैरेट गोल्ड का भाव 130874 रुपये था। तब से सोमवार की शाम तक गोल्ड की कीमतों में 9797 रुपये की गिरावट आ चुकी है। चांदी तो 33000 रुपये से अधिक की सस्ती हो चुकी है। 14 अक्टूबर को चांदी का भाव 178100 रुपये प्रति किलो था। जोकि सोमवार को घटकर 145031 रुपये पर आ गया। यानी तब से अबतक चांदी की कीमतों में 33069 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है। घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में आई गिरावट के पीछे त्योहारों के सीजन को खत्म होने को माना जा रहा है। जिसकी वजह से ज्वेलरी आदि की डिमांड में कमी आई है। वहीं, इंटरनेशनल मार्केट में गिरावट के पीछे की वजह बदलते वैश्विक हालात हैं।

सरकारी बैंकों में 49 प्रतिशत विदेशी निवेश की मंजूरी दे सकती है सरकार

- आरबीआई से चर्चा कर रहा वित्त मंत्रालय
- 12 सरकारी बैंक, 1.71 लाख करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली, एजेंसी।
सरकारी बैंकों में 49 फीसदी तक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की मंजूरी मिल सकती है। यह वर्तमान सीमा 20 फीसदी के दोगुना से भी ज्यादा है। यह कदम सरकारी और निजी बैंकों के लिए नियमों के बीच के अंतर को कम करने के प्रयास का हिस्सा है। निजी बैंकों में एफडीआई की वर्तमान सीमा 74 फीसदी तक है। वित्त मंत्रालय कुछ महीनों से भारतीय रिजर्व बैंक के साथ इस मामले पर चर्चा कर रहा है। प्रस्ताव को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। भारत के बैंकिंग उद्योग में विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ रही है। दुबई के एमिरेट्स एनबीडी ने हाल में करीब 27,000 करोड़ रुपये (3 अरब डॉलर) में आरबीएल बैंक में 60 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की इच्छा जताई है। जापान के सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्प ने करीब

17,000 करोड़ रुपये में यस बैंक में 25 फीसदी हिस्सा खरीदा है।

सरकारी बैंकों में विदेशी स्वामित्व की सीमा बढ़ाने से उन्हें आने वाले वर्षों में और अधिक पूंजी हासिल करने में मदद मिलेगी।

भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि दर पिछले तीन वित्त वर्षों में औसतन 8 फीसदी की रही है। ऋण की मांग में भी तेजी आई है। इससे देश के ऋणदाताओं का आकर्षण बढ़ा है। जनवरी से सितंबर के बीच भारत के वित्तीय क्षेत्र में सौदे 127 फीसदी बढ़कर 8 अरब डॉलर हो गए।

भारत में 12 सरकारी बैंक हैं। इनकी संयुक्त संपत्ति मार्च तक 1.71 लाख करोड़ रुपये थी। यह पूरे बैंकिंग क्षेत्र का 55 फीसदी हिस्सा है। सरकार सरकारी बैंकों में न्यूनतम 51 फीसदी हिस्सेदारी बनाए रखने की योजना बना रही है। वर्तमान में सभी 12 बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी इससे बहुत अधिक है। कुछ में तो 90 फीसदी तक है। बैंकों के बोर्ड में विदेशी कंपनियों के भी अधिकारी होंगे। निवेश आने से बैकों को विस्तार करने में मदद मिलेगी। वैश्विक स्तर पर उनकी पहुंच आसान होगा। इस खबर के बाद सोमवार के कारोबारी सत्र में निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 3.02 फीसदी बढ़कर 8053 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अंत में 2.22 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ।

हिस्सेदारी 12 फीसदी तक

स्टॉक एक्सचेंजों के आंकड़ों के अनुसार, 30 सितंबर तक सरकारी बैंकों में विदेशी हिस्सेदारी केनरा बैंक में लगभग 12 प्रतिशत से लेकर यूको बैंक में लगभग शून्य के स्तर तक है। सामान्य तौर पर सरकारी बैंकों को उनके निजी समकक्षों की तुलना में कमजोर माना जाता है। आरबीआई ने पिछले कुछ महीनों में बैंकिंग क्षेत्र में नियमों को कम करने और आसान बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। साथ ही विदेशी बैंकों को भारतीय निजी ऋणदाताओं में बड़ी हिस्सेदारी रखने की अनुमति देने के लिए और अधिक खुला रुख अपनाया है। 49 फीसदी सीमा के बाद 51 फीसदी हिस्सा सरकारी बैंकों के पास रहेगा। ऐसे में बैंक पर नियंत्रण घरेलू निवेशकों का ही रहेगा। यह हिस्सेदारी छोटे और बड़े निवेशकों सहित सरकार की भी होगी।

अनिल अंबानी की रिलायंस और यस बैंक ने कैसे की हेराफेरी सीबीआई जांच में हुआ खुलासा

ई दिल्ली, एजेंसी।
ग्गज उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें कम ने का नाम नहीं ले रही हैं। सीबीआई की जांच में । बैंक और अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप की पनियों के बीच हुए लेन-देन में पैसों की हेराफेरी र शेल कंपनियों के जरिए कमर्शियल पेपर्स के रुपयोग का एक जटिल जाल सामने आया है। यह नकारी ईटी को मिले दस्तावेजों से पता चली है। बीआई ने पिछले महीने एक विशेष अदालत में र्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट के मुताबिक, लेन-देन पूर्व यस बैंक सीईओ राणा कपूर और ग्रोगपति अनिल अंबानी के बीच एक आपराधिक जिश का हिस्सा थे।

इस साजिश की वजह से यस बैंक को भारी क़सान हुआ। प्रवर्तन निदेशालय भी इन गड़बड़ियों । अलग से जांच कर रहा है। ये सब तब हुआ जब गा कपूर यस बैंक के प्रमुख थे। अब यस बैंक का नेजमेंट बदल चुका है क्योंकि आरबीआई ने बैंक । बचाने के लिए एक योजना बनाई थी। राणा कपूर मनी लॉन्ड्रिंग और अन्य आरोप हैं। वह फिलहाल मानत पर बाहर हैं। अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप । टिप्पणी के लिए ईमेल भेजा गया था, लेकिन कोई वाब नहीं मिला। पहले भी, इस ग्रुप ने किसी भी लत काम के आरोपों से इनकार किया है।

कैसे किया हेरफेर सीबीआई की जांच के अनुसार

जून 2018 से फरवरी 2019 के बीच यस बैंक ने रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड द्वारा जारी किए गए 1,965 करोड़ के कमर्शियल पेपर खरीदे। इनमें से ज्यादातर रकम वापस मिल गई, लेकिन सितंबर 2018 में निवेश किए गए 360 करोड़ का एक हिस्सा विवादों में घिर गया। इसी दौरान रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड ने भी कमर्शियल पेपर्स के जरिए यस बैंक से 640 करोड़ जुटाए। अदालती दस्तावेजों में कहा गया है कि इस शेल कंपनी को बनाने का मकसदआरएचएफएल और आरसीएफएल से पैसा लेना और फिर उसे रिलायंस ग्रुप की अन्य कंपनियों को उनकी देनदारियां चुकाने के लिए ट्रांसफर करना था। उदाहरण के लिए 17 सितंबर 2018 को क्रास्नरु को 327 करोड़ का सीपी निवेश मिला। इसमें से 150 करोड़ लिक्विड फंड को चुकाने के लिए इस्तेमाल किए गए।

अदाणी समूह दिघी पोर्ट में 42500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करेगा, एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी।
अदाणी समूह ने महाराष्ट्र के तटीय कोंकण क्षेत्र में दिघी बंदरगाह परियोजना में 42,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने पर हामी भरी है। सरकारी अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि समूह की प्रमुख इकाई अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) की ओर से संचालित दिघी पोर्ट्स ने बंदरगाह के विस्तार और संबंधित गतिविधियों के लिए 42,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस बारे में कहा कि यह निवेश भारत समुद्री सप्ताह के उद्घाटन के अवसर पर सरकार की ओर से हस्ताक्षरित 56,000 करोड़ रुपये से अधिक के 15 समझौतों का

हिस्सा है। अदाणी समूह की नई प्रतिबद्धता का पूरा विवरण पूरा जारी नहीं किया गया है। दूसरे सबसे अमीर भारतीय गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह ने 2021 में 705 करोड़ रुपये की विजयी बोली लगाकर दिवालिया घोषित हो चुकी दिघी पोर्ट परियोजना का अधिग्रहण किया था। समूह ने इसके विस्तार के लिए 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

इससे पहले भारत समुद्री सप्ताह के दौरान महाराष्ट्र में बंदरगाहों के विकास से संबंधित तीन सत्र आयोजित किए गए। इन तीन सत्रों में से एक सत्र महाराष्ट्र सरकार और विभिन्न कंपनियों के बीच 15 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर का था।

ये समझौता हुआ

ये समझौता ज्ञापन जहाज निर्माण, जहाज मरम्मत, बंदरगाह अवसंरचना और जल परिवहन के विकास से संबंधित थे। सबसे बड़ा समझौता ज्ञापन अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड (एसईजेड) के साथ हस्ताक्षरित किया गया, जिसका मूल्य 42,500 करोड़ रुपये है, जो जहाज निर्माण और जहाज मरम्मत में भागीदारी करेगा। दूसरा समझौता ज्ञापन जेएसडब्ल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ बंदरगाह अवसंरचना में सुधार और वैश्विक मानकों के अनुरूप सुधार के लिए हस्ताक्षरित किया गया। आईआईटी बॉम्बे के साथ तीन प्रमुख समझौता ज्ञापनों पर अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना के निर्माण, समुद्री क्षेत्र में कौशल विकास और जहाज निर्माण के लिए एक मंच तैयार करने हेतु हस्ताक्षर किए गए। अन्य दो समझौता ज्ञापन श्रमिक वर्ग के क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन के लिए क्लस्टर-आधारित उत्कृष्टता केंद्र बनाने पर केंद्रित थे।

फुटबॉल

नेपाल ने भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को 2-1 से हराया, सबित्रा भंडारी ने दागे दो गोल

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल की ओर से स्ट्राइकर सबित्रा भंडारी ने दूसरे और 63वें मिनट में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत की ओर से एकमात्र गोल करिश्मा शिरवोइकर ने 81वें मिनट में करके हार के अंतर को कम किया। भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम को सोमवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में तीन देशों के अंतरराष्ट्रीय मैत्री टूर्नामेंट के

अपने दूसरे मैच में नेपाल के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। नेपाल की ओर से स्ट्राइकर सबित्रा भंडारी ने दूसरे और 63वें मिनट में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत की ओर से एकमात्र गोल करिश्मा शिरवोइकर ने 81वें मिनट में करके हार के अंतर को कम किया। करिश्मा का सीनियर राष्ट्रीय टीम की ओर से यह पहला गोल है। सबित्रा ने दूसरे ही मिनट में नेपाल को बढ़त दिला दी जब उन्होंने भारतीय गोलकीपर इलांगबाम पेनथोई चानू को छकाकर गोल किया। नेपाल ने पहले हाफ में इस बढ़त को बरकरार रखा और मध्यांतर तक टीम 1-0 से आगे थी। सबित्रा ने 61वें मिनट में एक और गोल दागकर नेपाल की बढ़त 2-0 की। करिश्मा ने फेनजोबाम निर्मला देवी की फ्री किक पर गोल दागकर भारत को वापसी दिलाने की कोशिश की लेकिन यह नाकाफी साबित हुआ।

भारत से फिर जुड़ेंगे दिग्गज मुक्केबाजी कोच सैंटियागो

- भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने साई को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। बीएफआई ने सैंटियागो के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को प्रस्ताव भेजा है। अनुबंध सिरे चढ़ा तो वह अब तक के सबसे महंगे विदेशी मुक्केबाजी कोच होंगे। उन्हें 12 हजार अमेरिकी डॉलर (लगभग साढ़े 10 लाख रुपये) प्रति माह के वेतन पर लाया जा रहा है। सैंटियागो टोक्यो ओलंपिक के बाद तक भारतीय मुक्केबाजी टीम के हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर थे। भारतीय मुक्केबाजी टीम के पूर्व विदेशी प्रशिक्षक और हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर अर्जेंटीनी मूल के दिग्गज स्वीडिश कोच सैंटियागो निएवा एक बार फिर भारतीय मुक्केबाजों से जुड़ने जा रहे हैं। सैंटियागो इस वक्त ऑस्ट्रेलियाई मुक्केबाजी टीम के मुख्य प्रशिक्षक हैं।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) उन्हें पुरुष टीम के मुख्य प्रशिक्षक के तौर पर जोड़ रहा है। बीएफआई ने सैंटियागो के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को प्रस्ताव भेजा है। अनुबंध सिरे चढ़ा तो वह अब तक के सबसे महंगे विदेशी मुक्केबाजी कोच होंगे। उन्हें 12 हजार अमेरिकी डॉलर (लगभग साढ़े 10 लाख रुपये) प्रति माह के वेतन पर लाया जा रहा है। सैंटियागो टोक्यो ओलंपिक के बाद तक भारतीय मुक्केबाजी टीम के हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर थे।

पांच वर्ष तक भारत से जुड़े रह चुके हैं

सैंटियागो 2017 में भारतीय मुक्केबाजी टीम के साथ जुड़े थे और 2022 तक उन्होंने भारतीय मुक्केबाजों को तराशा। उनकी कोचिंग में भारत के सर्वाधिक नौ मुक्केबाज टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किए थे, इनमें पांच पुरुष मुक्केबाज शामिल थे। हालांकि टोक्यो में देश के किसी भी मुक्केबाज का पदक नहीं जीतना उनके भारत छोड़ने का कारण बना। उनकी कोचिंग में भारत ने 2019 की विश्व चैंपियनशिप में दो पदक जीते और 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन किया।

विश्व चैंपियनशिप में दिया वापसी का प्रस्ताव

सूत्र बताते हैं कि हाल ही में हुई लिवरपूल विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दौरान ही बीएफआई ने सैंटियागो को वापस भारतीय टीम के साथ जुड़ने का प्रस्ताव दिया। उनके अनुबंध पर अभी साई और खेल मंत्रालय की अंतिम मुहर लगना बाकी है।

वरुण-रेड्डी OUT, कुलदीप-हर्षित IN

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया

पहले टी20 में ये हो सकती है भारत की प्लेइंग 11

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का आगाज 29 अक्तूबर से होने जा रहा है. अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप की तैयारियों के लिहाज से ये सीरीज काफी अहम मानी जा रही है. पहला मुकाबला कैनबरा में खेला जाना है. इस मुकाबले में प्लेइंग इलेवन को लेकर काफी माथापच्ची देखने को मिल सकती है. भारत ने अपना पिछला टी20 मुकाबला एशिया कप 2025 फाइनल में खेला था. जहां भारत केवल एक मुख्य तेज गेंदबाज के साथ खेला था. लेकिन यह स्थिति मनुका ओवल (कैनबरा) में होने वाले पहले टी20 मैच में निश्चित रूप से बदलेगी. एक बदलाव तो तय है क्योंकि हार्दिक पंड्या चयन के लिए फिट नहीं हैं. उनका बैकअप नीतीश कुमार रेड्डी भी चोटिल हैं, इसलिए उनकी उपलब्धता पर भी संदेह है. कैनबरा के मनुका ओवल की पिच बल्लेबाज़ों के लिए अनुकूल मानी जाती है, जिसमें समान उछाल और गति होती है. इसलिए इस बार टीम को तेज़ गेंदबाज़ों पर अधिक भरोसा करना पड़ेगा. एशिया कप में भारत ने तीन स्पिनरों कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती के साथ खेला था.

कुलदीप या अक्षर किसे मिलेगा मौका- ग्राउंड की सीमाएं स्पिनरों के पक्ष में हैं, लेकिन सतह उनके अनुकूल नहीं होगी. यही वजह है कि अक्षर पटेल को कुलदीप और वरुण पर बढ़त मिलती है. अक्षर ऑलराउंडर हैं और मिडल ऑर्डर में रन बनाने की क्षमता रखते हैं. इस तरह दूसरे स्पिनर की जगह को लेकर असली टक्कर कुलदीप बनाम वरुण के बीच है. लेकिन इसमें हर्षित राणा का नाम भी जुड़ गया है. दरअसल, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह तो तय हैं. दोनों भारत के शीर्ष टी20 गेंदबाज़ हैं. अर्शदीप ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 2022 टी20 वर्ल्ड कप में सबसे अधिक विकेट लिए थे.

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया

5 बल्लेबाज, जिनके नाम टी20 मुकाबलों में सर्वाधिक रन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें साल 2007 से 2024 के बीच अब तक 32 टी20 मैच खेल चुकी हैं। इस दौरान सिर्फ 3 ही बल्लेबाज 500 रन का आंकड़ा छू सके हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 मुकाबलों में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की इस लिस्ट में शीर्ष पर भले ही विराट कोहली मौजूद हैं, लेकिन टॉप-5 खिलाड़ियों की सूची में सिर्फ दो ही क्रिकेटर भारतीय हैं। आइए, इन सभी खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं।

- **विराट कोहली :** रन-मशीन कोहली ने साल 2012 से 2024 के बीच 23 टी20 मुकाबलों में 49.62 की औसत के साथ 794 रन बनाए हैं। इस दौरान कोहली के बल्ले से 8 अर्धशतक निकले।
- **ग्लेन मैक्सवेल :** साल 2012 से 2024 के बीच भारत के विरुद्ध 22 टी20 मैच खेले, जिसकी 21 पारियों में 31.88 की औसत के साथ 574 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 2 शतक और इतने ही अर्धशतक निकले।
- **आरोन फिंच :** इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने साल 2012 से 2022 के बीच भारत के खिलाफ 18 टी20 मैच खेले, जिसमें 27.77 की औसत के साथ 500 रन जुटाए। इस दौरान उनके बल्ले से 11 छक्के और 62 चौके देखने को मिले।
- **मैथ्यू वेड :** ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने भारत के विरुद्ध कुल 17 टी20 मैच खेले, जिसमें 3 अर्धशतक के साथ 488 रन बनाए। टीम इंडिया के खिलाफ 43 चौके और 20 छक्के लगाने वाले वेड का औसत 54.22 रहा है।
- **रोहित शर्मा :** भारत को अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा ने साल 2007 से 2024 के बीच 28.47 की औसत के साथ 484 रन बनाए।

भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें 29 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी। दोनों देशों के बीच कैनबरा में सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा, जिसके बाद मेलबर्न, होबार्ट, गोल्ड कोस्ट और ब्रिस्बेन में सीरीज के शेष मुकाबलों का आयोजन होगा।

वर्ल्ड चैम्पियनशिप

भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने जीता स्वर्ण पदक, उज्बेकिस्तान के जालोलोव को हराया

नोवी साद, एजेंसी। भारतीय पहलवान सुजीत कलकल ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में पुरुषों की फ्री स्टाइल 65 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। सुजीत ने खिताबी मुकाबले में उज्बेकिस्तान के उमिदजोन जालोलोव को एकतरफा अंदाज में 10-0 से हराया। दोनों पहलवानों के बीच यह मुकाबला चार मिनट 54 सेकेंड तक चला जिसके बाद रेफरी ने भारतीय पहलवान को विजेता घोषित किया।

पदक का रंग बदलने में सफल रहे सुजीत- सुजीत ने इस तरह उज्बेकिस्तान के पहलवान पर तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत दर्ज की। इससे पहले सुजीत ने कभी विश्व खिताब नहीं जीता था, लेकिन उन्होंने 2022 और 2025 में अंडर-23 एशिया खिताब और 2022 में अंडर-20 एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। सुजीत ने पिछले साल इसी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

सुजीत का विश्व चैंपियनशिप में सफर- सुजीत ने अपने पहले दो बाउट तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीते थे। उन्होंने मोलदोवा के फिओदोर किएवदारी को 12-2 से और पोलैंड के डोमिनिक जाकूब को 11-0 से परास्त किया था। क्वार्टर फाइनल में वह बशीर मागोमेदोव से पीछे चल रहे थे, लेकिन 4-2 से मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहे थे। सेमीफाइनल में सुजीत ने जापान के युतो निशियुची को 3-2 से हराकर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर का सख्त संदेश

40 की उम्र में भी रोहित-विराट वर्ल्ड कप के लिए फिट

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने चयनकर्ताओं को बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों के चयन में उम्र को लेकर कोई बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए। श्रीकांत का मानना है कि दोनों दिग्गज 2027 वनडे विश्व कप तक टीम इंडिया की रीढ़ बने रह सकते हैं। श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, रोहित शर्मा को 2027 वर्ल्ड कप में जरूर खेलना चाहिए। वह के करीब हैं या अब उम्र हो रही है, ऐसी बातें बंद होनी चाहिए। वह फिट हैं, बेहतरीन फॉर्म में हैं और फील्डिंग में भी शानदार हैं। सिडनी में उनकी बल्लेबाज़ी देखकर लगा जैसे 2019 वर्ल्ड कप की झलक दोबारा दिख रही हो। उन्होंने आगे कहा, विराट कोहली तो अपनी फिटनेस के दम पर 45 साल तक खेल सकते हैं। उनकी फिटनेस अब भी किसी 25 वर्षीय खिलाड़ी जैसी है। रोहित और विराट दोनों को डराने या असुरक्षित महसूस कराने के बजाय चयनकर्ताओं को उन्हें भरोसा देना चाहिए कि वे टीम के सबसे अहम खिलाड़ी हैं। श्रीकांत ने चयन समिति को सलाह देते हुए कहा, उन्हें कहना चाहिए – 'आप दोनों टीम के केंद्र हैं, बस फिट रहो और हमें 2027 वर्ल्ड कप जिताओ।' डर या दबाव डालने की जरूरत नहीं है। हाल ही में खत्म हुई ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में रोहित शर्मा ने तीन मैचों में 202 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल रहा। उनकी 121* रनों की पारी भारत की 9 विकेट से जीत में निर्णायक साबित हुई थी। अब टीम इंडिया 30 नवंबर से शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू वनडे सीरीज में खेलेगी, जहां रोहित और विराट अपने फॉर्म को जारी रखने की कोशिश करेंगे।

महिला विश्व कप

स्मृति मंधाना के साथ ओपनिंग करेंगी शैफाली वर्मा? ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्लेइंग 11 में 2 बदलाव कर सकता है भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला वर्ल्ड कप 2025 के दूसरे सेमीफाइनल में 30 अक्टूबर को भारत का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा। लीग स्टेज में भारतीय टीम 3 मैच हारकर अंक तालिका में चौथे नंबर पर रही। वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम एक भी मैच नहीं हारी। भारत की दिक्कतें खिलाड़ियों के चोटिल होने से और बढ़ गई है। बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी लीग मैच में ओपनर प्रतिका रावल चोटिल होकर टूर्नामेंट में बाहर हो गई। शैफाली वर्मा को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया। विकेटकीपर ऋचा घोष भी चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ मैच में नहीं खेली थीं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में विकेटकीपिंग के दौरान बाएं हाथ की उंगली में चोट लगी थी। उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था और उमा छेत्री ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली थी। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में उमा को डेब्यू का मौका मिला था। अगर ऋचा चोट से उबर जाती हैं तो भारत प्लेइंग 11 में दो बदलाव कर सकता है।

शैफाली की राह आसान नहीं- भारत की प्लेइंग 11 में प्रतिका रावल की जगह शैफाली वर्मा और उमा छेत्री की जगह ऋचा घोष को मौका मिल सकता है। इसके अलावा बदलाव के कोई और आसार नहीं दिख रहे हैं। प्रतिका का बाहर होना भारत के लिए बड़ा झटका है। वह टूर्नामेंट में स्मृति मंधाना के बाद दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। शैफाली बेखौफ बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं, लेकिन वह एक साल बाद भारत के लिए वनडे खेलती दिखेंगी।

यूरोपीय शतरंज क्लब कप में दिव्या और गुकेश नें जीते दोहरे स्वर्ण पदक

रोड्ज, ग्रीस (एजेंसी)। में आयोजित 40वें यूरोपीय शतरंज क्लब कप 2025 ? में भारतीय खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ रिकॉर्ड कायम किया। सुपरचेस ? (रोमानिया) क्लब ने ओपन वर्ग में 14 में से 14 अंकों के साथ खिताब पर कब्जा जमाया। इस टीम की जीत में विश्व चैंपियन डी. गुकेश का प्रदर्शन निर्णायक रहा, जिन्होंने पहले बोर्ड पर गोल्ड मेडल जीता। वहीं, नॉर्थ मैसेडोनिया की टीम अल्कालॉइड जिसमें भारत से अर्जुन एरीगैसी, अरविंद चितांबरम और अभिमन्यु पौराणिक थे ने 12 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया और डिफेंडिंग चैंपियन नोवी बोर (चेक गणराज्य) जिसमें भारत से विदित गुजराती और पेंटला हरीकृष्णा थे ने उतने ही अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

महिला वर्ग में सर्कल डी शे मोंटे कार्लो ? ने 13 में से 13 अंक अर्जित कर खिताब जीत लिया। भारत की ग्रांड मास्टर दिव्या देशमुख, जिन्होंने हाल ही में महिला विश्व कप 2025 ? जीता था, इस क्लब के लिए खेलते हुए अपने बोर्ड पर व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने में सफल रहीं। मौजूदा चैंपियन ताइफुन एसके ल्युब्लियाना तीसरे स्थान पर रही, जबकि सर्बिया की सर्मियम स्रेम्स्का मित्रोविका ने दूसरा स्थान हासिल किया। ओपन वर्ग में भारत के चार खिलाड़ियों ने अपने बोर्ड पर गोल्ड मेडल जीते – विश्व चैंपियन डी. गुकेश (सुपरचेस), निहाल सारिन (बेयगन पेंडिक), अभिमन्यु पुराणिक (अल्कालॉइड) और दिव्या देशमुख (मोंटे-कार्लो)। वहीं, अरविंद चितांबरम को अपने बोर्ड पर कांस्य पदक मिला। इस बार का आयोजन भारतीय खिलाड़ियों के लिए सबसे सफल साबित हुआ। पहली बार, ओपन और महिला दोनों वर्गों की विजेता टीमों में भारतीय ग्रैंडमास्टर शामिल रहे। ओपन वर्ग की शीर्ष तीनों टीमों में भी कम से कम एक भारतीय खिलाड़ी खेला। कुल सात राउंड के इस स्विस सिस्टम टूर्नामेंट में यूरोप की 100 से अधिक शीर्ष टीमें और लगभग 800 खिलाड़ी शामिल हुए। टूर्नामेंट का आयोजन 19 से 25 अक्टूबर तक रोडोस पैलेस में हुआ, जिसे यूरोपीय चेस यूनियन ने संचालित किया।

18 साल बाद सलमान के साथ काम कर सकते हैं गोविंदा!

● शुरू की फिल्म बैटल ऑफ गलवां की शूटिंग

18 साल बाद 'पार्टनर' एक बार फिर साथ आ रहे हैं। दरअसल, सलमान खान की मच अवेटेड फिल्म में अब 'बैटल ऑफ गलवां' में गोविंदा भी नजर आएंगे।

बॉलीवुड के 'पार्टनर' यानी सलमान खान और गोविंदा की जोड़ी अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आ सकती है। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' को लेकर चर्चाओं में हैं। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस फिल्म में सलमान खान के साथ गोविंदा भी नजर आएंगे। यानी लगभग 18 साल बाद दोनों अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आएंगे।

सलमान ने खुद दी हिंट

बिग बॉस 19 के वीकेंड का वार के हालिया एपिसोड में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा शो में बतौर मेहमान शामिल हुईं। सलमान और सुनीता ने गोविंदा के साथ उनके फिर से साथ आने पर चर्चा की, जो अब फैंस के बीच वायरल है। दरअसल, सलमान ने इस दौरान ये कहा कि अब वो और गोविंदा एक साथ काम कर रहे हैं। हालांकि, सलमान ने इस प्रोजेक्ट के नाम का खुलासा नहीं किया, लेकिन ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि गोविंदा वॉर ड्रामा 'बैटल ऑफ गलवां' में सलमान के साथ अभिनय करेंगे।

यह होगी फिल्म की कहानी

इन चर्चाओं के बीच कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया कि गोविंदा ने 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग भी शुरू कर दी है। 'बैटल ऑफ गलवां' अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित है। यह फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है, जो समुद्र तल से 15,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर बिना एक भी गोली चलाए लड़ा गया था। सलमान के अलावा फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

कैटरीना कैफ ने फिल्मी इंडस्ट्री में

आने के लिए प्रेरित किया : कशिका कपूर

अभिनेत्री काशिका कपूर बॉलीवुड, तेलुगु सिनेमा और कई म्यूजिक वीडियो में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित ड्रामा 'आयुष्मति गीता मैट्रिक पास' से बॉलीवुड में कदम रखा और बाद में 'लाइफः लव योर फादर' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया। कशिका कपूर ने एक विशेष इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की। इसमें बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ का भी हाथ है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उनके पिता शुरुआत में बेटी के इंडस्ट्री में आने को लेकर झिझक रहे थे, जबकि उनकी मां उनके सपनों के साथ खड़ी रहीं।जब उनसे पूछा गया कि उन्हें बॉलीवुड में आने के लिए कैसे प्रेरणा मिली, तो कशिका कपूर ने कहा, मुझे लगता है कि हमेशा से एक अभिनेत्री बनना मेरा सपना था। मैं पांचवीं कक्षा में थी जब मैंने नाटकों में भाग लेना शुरू किया। मुझे याद है कि स्कूल में शो की शुरुआत मैं ही करती थी और सभी को मुझ पर बहुत गर्व था। लोगों की प्रशंसा ने मुझे एहसास दिलाया कि शायद मुझमें कुछ ऐसा है जिसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए। वास्तव में यह सब ऐसे ही शुरू हुआ। उन्होंने आगे कहा, मैं कैटरीना कैफ के गाने शीला की जवानी से प्रेरित थी। मैंने उसे देखा और सोचा, मुझे यह करना है। मैं वहां जाना चाहती हूं। लेकिन मेरे पिताजी इस विचार के बिल्कुल खिलाफ थे, उन्हें उस समय इंडस्ट्री पसंद नहीं थी। दूसरी ओर, मेरी मां बहुत सहयोगी थीं। मेरे पिताजी ने कहा था कि यह बस एक दौर है जो गुजर जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आखिरकार, उन दोनों ने मेरा साथ दिया, और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। इस तरह मेरे सपने ने आकार लेना शुरू किया। अपने पहले बड़े मौके के बारे में बात करते हुए कशिका ने कहा, यह बिल्कुल अप्रत्याशित था। हम घर पर 'फर्न्स एंड पेटल्स' की शूटिंग कर रहे थे। उस शूटिंग के लिए आए निर्देशक ने मुझे बताया कि वह आमतौर पर ऐसे प्रोजेक्ट्स नहीं करते, लेकिन उस दिन किसी चीज ने उन्हें आने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि मैं आया क्योंकि मुझे मेरी गीता मिल गई है। कशिका ने आगे कहा, उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और कहा, मैं तुम्हें इस भूमिका के लिए चाहता हूं।

राष्ट्रवादी का टैग लगने पर क्या बोलीं यामी गौतम? फिल्म हक में अपने रोल पर भी रखी बात

फिल्म हक के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यामी गौतम से कई सवाल किए गए। इस पर उन्होंने बेबाकी से जवाब दिए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है? शांत और दृढ़ विश्वास वाले किरदारों को निभाने के लिए मशहूर अभिनेत्री यामी गौतम, अपनी अगली बड़ी रिलीज, हक के लिए तैयार हैं। इसमें उनके साथ इमरान हाशमी भी हैं। ऐतिहासिक शाहबानो मामले से प्रेरित यह फिल्म न्याय, पहचान और आस्था के विषयों पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है।

यामी से पूछा गया सवाल

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यामी गौतम से पूछा गया कि हाल के वर्षों में उन्होंने जिस तरह की फिल्में चुनी हैं, उनके कारण उन्हें अक्सर राष्ट्रवादी कहा जाता है। इस पर उनका क्या कहना है? इस पर अभिनेत्री ने हंस कर इस लेबल को खारिज कर दिया।

राष्ट्रवादी टैग को किया खारिज

राष्ट्रवादी का टैग दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर यामी ने कहा, लेबल है, मुझे पता भी नहीं है। अगर है तो लोगों का काम है कुछ न कुछ कहना। उन्होंने कहा, ये नहीं तो कुछ और लेबल, फिर कुछ और, फिर कुछ और। पहले कुछ और था। पहले कुछ अंडररेटेड लेबल था। उससे पहले कुछ और था। यह बदलता रहता है। मैं वो सब नहीं जानती हूं।

अपने किरदार पर बोलीं यामी

यामी गौतम ने बताया कि फिल्म हक उनके लिए सिर्फ एक कोर्टरूम ड्रामा नहीं था। यामी ने कहा, यह विषय सार्वजनिक जीवन में रहा है। मैं हमेशा सोचती हूं कि शाजिया जैसी महिला को किस तरह की ताकत और साहस की जरूरत रही होगी।

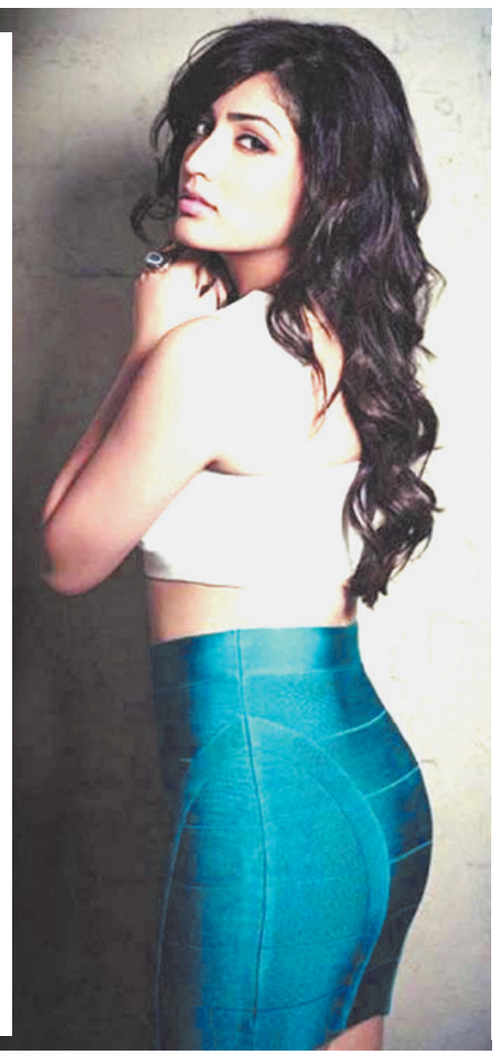

सैफ अली खान और पुलकित सम्राट एक साथ नज़र आएंगे टिप्स फिल्म्स की नई फिल्म में

बॉलीवुड दर्शकों के लिए एक शानदार सरप्राइज़ तैयार है, क्योंकि सैफ अली खान और पुलकित सम्राट पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर नज़र आने वाले हैं। यह फिल्म स्नेहा तौरानी द्वारा निर्देशित होगी, जो अक्टूबर 2025 को हुए मुहूर्त समारोह के साथ अपनी शुरुआत की, और तभी से यह प्रोजेक्ट आने वाले साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बन चुका है। स्नेहा तौरणी, जिन्होंने भांगड़ा पा ले से अपना निर्देशन करियर शुरू

मशहूर निर्माता रमेश तौरानी की बेटी हैं। टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बनने वाली यह अनटाइटल्ड फिल्म अनुभव और युवा जोश का एक अनोखा मेल पेश करने का वादा करती है। फिल्म ने आधिकारिक रूप से 27 किया था, अब इस नई फिल्म के जरिए एक बार फिर दर्शकों को एक जीवंत और एंगेजिंग सिनेमैटिक अनुभव देने जा रही हैं।सैफ अली खान, जो मेनस्ट्रीम और एक्सपेरिमेंटल सिनेमा के बीच सहजता से जुड़ते रहे हैं, हाल के समय में थिएटर और ओटीटी, दोनों प्लेटफॉर्म्स पर अपनी बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को प्रभावित कर चुके हैं। इस प्रोजेक्ट के साथ उनकी मौजूदगी फिल्म को स्टार पावर और गहराई दोनों प्रदान करती है। वहीं पुलकित सम्राट, अपनी करिश्माई स्क्रीन प्रेज़ेंस और एनर्जी से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। सैफ के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को एक फ्रेश और दिलचस्प कैमेस्ट्री का अनुभव करा सकती है, जिसमें दो अलग-अलग अभिनय शैलियां मिलकर एक मनोरंजक और भावनात्मक कहानी बुनेंगी। स्नेहा तौरणी के निर्देशन और रमेश तौरणी के प्रोडक्शन के साथ, सैफ अली खान और पुलकित सम्राट की यह फिल्म 2025 की सबसे बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक बनती जा रही है, जिसमें दमदार परफ़ॉर्मेंस, टैलेंटेड टीम और एक नई सिनेमैटिक विज़न का परफेक्ट संगम नजर आएगा।

दिलजीत के 'कुफर' गाने में ट्रोल होने पर मानुषी छिल्लर ने दिया करारा जवाब, बोलीं- 'मेरा नहीं तो कम से कम'

मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद फिल्मों में आईं अभिनेत्री मानुषी छिल्लर को अभी भी एक बड़ी हिट की तलाश है। हालांकि, हाल ही में मानुषी सिंगर दिलजीत दोसांझ की 'औरा' एल्बम के नए गाने 'कुफर' में नजर आईं। ये गाना अपनी रिलीज के बाद से ही लगातार ट्रेंड में बना हुआ है और लोगों को पसंद आ रहा है। गाने के वीडियो में मानुषी दिलजीत के साथ नजर आई हैं। दोनों की केमिस्ट्री भी फैंस को पसंद आ रही है। हालांकि, इस बीच जब एक यूजर ने मानुषी को ट्रोल किया, तो एक्ट्रेस ने बड़ी ही शालीनता से ट्रोलर को करारा जवाब दिया। मानुषी ने एक्स पर एक क्रिप्टिक पोस्ट किया, जिसे ट्रोलर्स को उनका जवाब माना जा रहा है। मानुषी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, 'मेरा नहीं, लेकिन क्या हम उस डांसर का सम्मान नहीं कर सकते जो बस अपना काम कर रही थी।' जाहिर है कि मानुषीने उनके डांस के लिए उन्हें ट्रोल करने पर ट्रोलर्स को जवाब दिया है और डांसर का सम्मान करने की बात कही है। वर्कफ्रंट की बात करें तो मानुषी छिल्लर ने साल 2022 में हिस्टोरिकल-ड्रामा 'सम्राट पृथ्वीराज' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो 'द ग्रेट इंडियन फैमिली', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' और 'मालिक' में नजर आई हैं। मानुषी आखिरी बार इसी साल आई जॉन अब्राहम की फिल्म 'तेहरान' में नजर आई थीं। हालांकि, मानुषी को अभी भी एक बड़ी हिट की तलाश है। दिलजीत दोसांझ के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो इन दिनों अपने ऑरा टूर में व्यस्त हैं।

जैकी चैन और ऋतिक रोशन की मुलाकात, कुंग फू फाइटिंग गाना किया समर्पित

बॉलीवुड के सुपरस्टार ऋतिक रोशन इन दिनों अमेरिका के बेवर्ली हिल्स में छुट्टियां मना रहे हैं। इस दौरान उन्होंने अपने पसंदीदा एक्शन आइकॉन, हॉलीवुड के मशहूर स्टार जैकी चैन से मुलाकात की। ऋतिक ने इस मुलाकात का अनुभव अपने फैंस संग शेयर किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर साझा की गई तस्वीरों और कैप्शन में इस मुलाकात की जानकारी दी। सोमवार को ऋतिक ने अपनी इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर जैकी चैन के साथ दो तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में दोनों कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज देते दिख रहे हैं। फोटो के बैकग्राउंड ऑडियो के तौर पर ऋतिक ने कुंग फू फाइटिंग गाना लगाया। इस गाने को ऋतिक ने जैकी चैन को उनके मार्शल आर्ट्स करियर के लिए समर्पित किया है। कैप्शन में ऋतिक ने मजाकिया अंदाज में लिखा, आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा सर, मेरी टूटी हड्डियां आपकी टूटी हड्डियों को याद करती

हैं।बता दें कि ऋतिक अमेरिका में अपनी गर्लफ्रेंड सबा के साथ क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं। 26 अक्टूबर को उन्होंने कुछ रोमांटिक तस्वीरें साझा कीं थी, जिसमें दोनों एक साथ मौसम का लुत्फ उठाते हुए नजर आए थे। इन तस्वीरों में ऋतिक और सबा एक-दूसरे को गले लगाते हुए दिखें। दोनों ने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, सर्दियों में सैर से बेहतर कुछ नहीं। ऋतिक रोशन अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर भी चर्चाओं में हैं। वह जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रोड्यूसर के रूप में डेब्यू करने जा रहे हैं। उनका पहला प्रोजेक्ट एक थ्रिलर शो स्टॉर्म है, जो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा और मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित होगा। इस शो के निर्माता और निर्देशक अजीतपाल सिंह हैं, जिन्होंने पहले टब्बर जैसी वेब सीरीज और फायर इन द माउंटेंस जैसी फिल्म बनाई हैं। शो की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है और फैंस को इसके लिए काफी उत्सुकता है।

जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की मिर्जापुरः द फिल्म में हुई एंट्री

जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चौहान की एंट्री मिर्जापुरः द फिल्म में हो गई है। इसकी जानकारी मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए दी। सोनल ने भी टीम को थैंक्स कहते हुए एक पोस्ट किया है। अभिनेत्री सोनल चौहान को 'जन्नत' और 'आदिपुरुष' जैसी फिल्मों में काम करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक शानदार गिफ्ट हैंपर और प्रोडक्शन हाउस के एक नोट की झलक दिखाई। नोट में जानकारी दी गई है कि सोनल अब मिर्जापुर फिल्म का हिस्सा हैं।इस नोट में लिखा है, प्रिय सोनल, हम आपको मिर्जापुर की टीम में पाकर बहुत उत्साहित हैं। हम पर्दे पर आपके अभिनय का जादू को देखने के लिए बेताब हैं। सोनल ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं मिर्जापुरः द फिल्म में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। इस टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई और मैं आप सभी को यह देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि हम पर्दे पर क्या-क्या दिखाने वाले हैं। इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद। इस फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अली फजल एक बॉडी बिल्डर के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों की दुनिया को दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी गोलू गुप्ता के रोल को निभाती दिखाई देंगी और रसिका दुग्गल फिल्म में अपने बीना त्रिपाठी के किरदार में दिखाई देंगी। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यतः मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी।

पद्मावत से हीरामंडी तक अपने हर किरदार से दिखाई सशक्त नारी की छवि

बॉलीवुड और टॉलीवुड की चमक-दमक भरी दुनिया में कई अभिनेत्रियां हैं, लेकिन कुछ ही कलाकार ऐसे होते हैं जो अपनी खूबसूरती के साथ-साथ ऐतिहासिक किरदारों में अपनी पहचान भी बना पाते हैं। अदिति राव हैदरी उन्हीं में से एक हैं। अदिति ने सिर्फ फिल्मों में अपने अभिनय का जादू नहीं बिखेरा, बल्कि इतिहास से जुड़े कई किरदारों को जीवंत बनाकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। चाहे वह पद्मावत में रानी मेहरुन्निसा का किरदार हो या ताजः डिवाइडेड बाय ब्लड में अनारकली की भूमिका, अदिति ने हमेशा अपने किरदारों में शाही और नाजुक अंदाज को बखूबी पेश किया है।अदिति राव हैदरी का जन्म 28 अक्टूबर 1986 को हैदराबाद में हुआ था। उनका जन्म एक शाही परिवार में हुआ। वह अकबर हैदरी की परपोती होने के साथ असम के पूर्व गवर्नर मोहम्मद सालेह अकबर हैदरी की पोती हैं। इसके अलावा, उनके नाना जे.रामेश्वर राव तेलंगाना के वनापर्थी पर राज किया करते थे। अदिति की मां विद्या राव एक हिंदू है और पिता एहसान हैदरी मुस्लिम हैं। यही वजह है कि वह अपने सरनेम में अपने माता और पिता दोनों का नाम लिखती हैं।

अदिति ने फिल्मी करियर की शुरुआत मलयालम फिल्म प्रजापति से की थी। इसके बाद उन्होंने 2006 में हिंदी फिल्म दिल्ली-6 से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनका कैमियो रोल था, लेकिन उन्होंने अपने अभिनय और चेहरे की मासूमियत से दर्शकों का ध्यान खींचा। इसके बाद अदिति ने लगातार फिल्मों में अपनी जगह बनाई और कई महत्वपूर्ण किरदार निभाए। साल 2011 में आई ये साली जिंदगी और रॉकस्टार जैसी फिल्मों ने अदिति को बॉलीवुड में जगह दिलाई। रॉकस्टार में उनके अभिनय को काफी सराहा गया, और उन्होंने अपनी अदाकारी से रणबीर कपूर के साथ शानदार कैमिस्ट्री दिखाई। इसके बाद उन्होंने फितूर, मर्डर 3 जैसी फिल्मों में भी काम किया, लेकिन दर्शकों और क्रिटिक्स ने उन्हें खास तौर पर पद्मावत में रानी मेहरुन्निसा के किरदार के लिए याद किया। पद्मावत में अदिति ने रानी मेहरुन्निसा का किरदार निभाते हुए न सिर्फ शाही गरिमा को दिखाया, बल्कि अपने चेहरे के हाव-भाव और संवादों में उस समय की नाजुकता और ताकत को भी बखूबी पेश किया। इस रोल ने उन्हें इतिहास से जुड़े पात्रों में एक खास पहचान दिलाई। इसके बाद अदिति को इतिहास पर आधारित फिल्मों और वेब सीरीज में कई ऑफर मिलने लगे। 2023 में रिलीज हुई ताजः डिवाइडेड बाय ब्लड में अदिति ने अनारकली का किरदार निभाया, जिसमें उन्होंने अपनी अदाकारी और शाही अंदाज से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। निजी जिंदगी की बात करें तो, अदिति ने 21 साल की उम्र में पहली शादी की, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चला। बाद में उन्होंने अभिनेता सिद्धार्थ के साथ शादी रचाई और अब अपनी हैप्पी मैरिड लाइफ बिता रही हैं।